CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-335
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जितना संघर्ष कठिन होगा,
जीत उतनी शानदार होगी।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 11 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

महू में तनाव फैलाने वाले 13 उपद्रवी गिरफ्तार, बंद रहे बाजार

महू/इंदौर। टीम इंडिया की जीत के जश्न के दौरान महू में उपद्रव करने वाले 17 आरोपियों की पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर ली है। उनमें से 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पथराव और आगजनी की घटना में शामिल थे। कुछ आरोपियों पर रासुका के तहत एक्शन लेने की तैयारी कर ली गई है। महू में फैले तनाव के बाद सर्व हिंदू समाज ने सोमवार को महू बंद की घोषणा की थी। जिस इलाके में तनाव हुआ था, वहां तो पूरी तरह बंद का असर देखा गया। इक्का-दुक्का लोग ही सड़कों पर नजर आ रहे थे। महू के दूसरे क्षेत्रों में बंद का मिला-जुला असर नजर आया। दुकानें व अन्य संस्थान बंद रहे, लेकिन सब्जीमंडी खुली थी। रविवार रात हुए उपद्रव में 20 से ज्यादा दोपहिया वाहन जले है,जबकि छह कारों के कांच फोड़े गए है। तीन दुकानों में आग लगाने की कोशिश की गई। मुख्य मार्ग पर चूड़ी की एक दुकान पर जमकर पथराव हुआ। सोमवार को पत्तीबाजार और कोतवाली क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। जिस जगह से उन्मादी भीड़ ने पथराव शुरू किया था। वहां मुख्य मार्ग पर बेरिकेड लगा दिए गए। आने-जाने वालों की पुलिस ने तलाशी ली। पुलिस ने यहां ड्रोन से भी नजर रखी, ताकि छतों पर छुपाकर रखे गए पत्थर व अन्य हथियार का पता लगाया जा सके। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच कराई जा रही है। अब स्थिति नियंत्रण में है।

इंदौर से पुलिस बल भेजा महू में सोमवार को हालात सामान्य हुए लेकिन इंदौर से भी पुलिस बल सुरक्षा के इंतजामों के मद्देनजर भेजा गया । सुबह और शाम के समय पुलिस ने क्षेत्र में गश्त भी की। चार से ज्यादा लोगों को खड़े नहीं रहने दिया जा रहा था। दिनभर तो शहर के ज्यादातर बाजार बंद रहे, लेकिन शाम के समय दूध, दवाई किराने की दुकानें खुली नजर आई। इलाके में शांति बहाल करने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, कुछ संदिग्धों पर एनएसए (नेशनल सिक्योरिटी एक्ट) के तहत आरोप लगाए जाएंगे।

पुलिसकर्मियों के साथ भी मारपीट दंगाईयों ने रविवार रात करीब 4 घंटे तक महू के कुछ क्षेत्रों में अपना आतंक मचाया, घरों पर पत्थरबाजी की और कई गाड़ियों में भी आग लगा दी। विवाद रात करीब 3 बजे तक जारी रहा। दंगाईयों की हिम्मत इतनी हुई कि उन्होंने पुलिस को भी नहीं छोड़ा पुलिसकर्मियों के साथ भी मारपीट की गई और उनके वाहन में भी आग लगा दी। देर रात पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हितिका वासल ,कलेक्टर आशीष सिंह ने महू का दौरा कर स्थिति को नियंत्रण में किया। सोमवार सुबह आईजी अनुराग ने महू का दौरा कर स्थिति की जानकारी ली। वही विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि जिन्होंने भी इस घटनाक्रम को अंजाम दिया है उनको चिन्हित कर उनके ऊपर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

कश्मीर की तर्ज पर हुआ पथराव महू में जिन उपद्रयों ने करीब 4 घंटे तक घरों को निशाना बनाया व आगजनी की वह पूरी तरह कश्मीर की तर्ज पर थी। सभी युवाओं ने अपने चेहरे पर नकाब, रुमाल, कपड़ा बांध रखा था ताकि पहचान में न आ सके। यहां तक कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़कर निकाल कर ले गए ताकि उनकी कोई फोटो कैमरे में न आ सके। शहर के तीन प्रमुख स्थानों पर पत्ती बाजार ,जामा मस्जिद चौक, टाल मोहल्ला में उपद्रवियों ने जमकर हंगामा मचाया।

यह बताया रहवासियों ने महू के पत्ती बाजार में रहने वाले नीलेश सैनी के मुताबिक पथराव इतना तेज था कि पुलिस के जवानों को भी बचने के लिए छुपना पड़ा। जब पुलिस बल ने आंसू गैस के गोले बरसाए तब हालात काबू में आए। बस्ती में तनाव फैलने के बाद बिजली गुल हो गई थी और लगातार पत्थर घरों में आ रहे थे। एक बार तो लगा कि परिवार के लोग नहीं बच पाएंगे, लेकिन डेढ़ घंटे बाद हालात काबू में आए। बस्ती में ही रहने वाले वर्मा परिवार के लोगों के मुताबिक पहले भी महू में तनातनी का माहौल बनता था,लेकिन कभी इतने हालात नहीं बिगड़े। बस्ती में हुए उपद्रव के दौरान कुछ दुकानों और मकानों में उपर्द्रवियों ने आग भी लगाई। इस दौरान बिजली के तार और इंटरनेट की केबलें भी जल गई। इस कारण रात से लेकर सुबह तक लोग अंधेर में घरों में कैद रहे। सुबह बिजली विभाग के कर्मचारियों ने बिजली सप्लाई बहाल की।

विधायक बोलीं- राष्ट्रद्रोही ताकतें अपना दिल-दिमाग ठिकाने पर रखें महू में पथराव और आगजनी के बाद विधायक उषा ठाकुर मौके पर पहुंचीं। उन्होंने उपद्रवियों को चेतावनी दी है कि राष्ट्रद्रोही ताकतों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान हिंसा पीड़ित लोगों ने विधायक उषा ठाकुर को घटना के बारे में जानकारी दी। उषा ठाकुर ने पूरी घटना पर कहा है कि मैच जीतने के बाद सारे राष्ट्रवादी बंधू जुलूस निकाल रहे थे। इसी बीच राष्ट्रद्रोही ताकतों ने जो हरकत की वह अक्षम्य है। वीडियो में दिख रहे लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों पर रासुका लगाई जाएगी। इनको बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि ये राष्ट्रद्रोही ताकतें अपना दिल-दिमाग ठिकाने पर रखें। वहीं, अवैध मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर उषा ठाकुर ने कहा कि यदि वे अपराधी हैं और वीडियो में चिह्नित हो रहे हैं तो सीएम से यह रिक्वेस्ट की जाएगी कि यहां किसी भी क्षेत्र से सिर उठा तो सरकार कठोर सबक सिखाएगी।

किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा

गवाहों के बयानों के आधार पर भी अतिरिक्त एफआईआर दर्ज की जाएगी। घटना के वीडियो सबूत भी मिले हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासन की लगातार कोशिशों के बाद शहर में अब शांति बनी हुई है।

इंदौर में 9 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों पर कलेक्टर ने लगाई पेनल्टी

इंदौर। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने तय समय सीमा में राजस्व प्रकरणों का निराकरण नहीं करने पर 9 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के खिलाफ 44 मामलों में प्रति प्रकरण 250 रुपए की पेनल्टी लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लगाई है। जिन अधिकारियों पर यह कार्रवाई की गई है, उनमें तहसीलदार कनाड़िया, खुड़ैल, बिचौली हप्सी, हातोद, अपर तहसीलदार जूनी इंदौर, नायब तहसीलदार खुड़ैल, देपालपुर, हातोद और गौतमपुरा शामिल हैं। सोमवार को कलेक्टर ने टीएल बैठक में संबंधित विभागों की समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों पर नियंत्रण रखें और उनके कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन से जुड़े प्रकरण तय समय सीमा में सहजता से हल किए जाएं। साथ ही, इन मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए, ताकि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरण में तेजी लाई जाए और उनका प्रभावी व सकारात्मक समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, समय सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की और अन्य अंतरविभागीय समन्वय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

रमजान पर कश्मीर में फैशन शो से बढ़ा बवाल, आयोजकों ने मांगी माफी

गुलमर्ग। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में रमजान महीने में हुए फैशन शो पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। फैशन शो पर कट्टरपंथी नेताओं और सीएम उमर अब्दुल्ला की नाराजगी के बाद प्रसिद्ध डिजाइनर जोड़ी शिवन भाटिया और नरेश कुकरेजा को आलोचना का सामना करना पड़ा है। इस बढ़ते विवाद के बीच, डिजाइनरों ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इस मामले में सीएम उमर अब्दुल्ला एक्शन के निर्देश दे चुके हैं। दिल्ली स्थित डिजाइनर जोड़ी ने 7 मार्च को गुलमर्ग में अपने स्कीवियर कलेक्शन का प्रदर्शन किया, जो उनके ब्रांड की 15वीं वर्षगांठ का हिस्सा था। हालांकि, यह आयोजन धार्मिक और राजनीतिक नेताओं की आलोचना के केंद्र में आ गया। कश्मीर के नेता मीरवाइज उमर फारूक ने इस आयोजन को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि रमजान के पवित्र महीने में गुलमर्ग में एक अश्लील फैशन शो आयोजित किया गया, जिसके वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। यह कश्मीर की सूफी-संत संस्कृति और धार्मिक आस्था का अपमान है। इसमें शामिल लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस पर सख्त नाराजगी जताई और जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि इस फैशन शो की तस्वीरें स्थानीय भावनाओं की पूरी तरह अवहेलना दिखाती हैं, वह भी रमजान के दौरान। मैंने स्थानीय प्रशासन से इस मामले पर 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट मांगी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद शिवम और नरेश ने सोशल मीडिया पर माफी जारी की। उन्होंने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा कि गुलमर्ग में हमारे हालिया आयोजन से हुई किसी भी आहत भावना के लिए हमें गहरा खेद है। हमारा एकमात्र उद्देश्य रचनात्मकता और स्की-अपेरेस-स्की जीवनशैली का जश्न मनाना था, न कि किसी भी धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाना। हम सभी संस्कृतियों और परंपराओं का सम्मान करते हैं और अपने समुदाय की प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं। हम भविष्य में अधिक सतर्क और सम्मानजनक बने रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सामाजिक कार्यकर्ता राजा मुजफ्फर भट ने भी इस आयोजन पर आपत्ति जताई और पर्यटन विभाग से स्पष्टीकरण मांगा।

इंदौर बनेगा ट्रैफिक सिग्नल फ्री शहर, योजना पर सरकार कर रही काम

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार इंदौर को ट्रैफिक सिग्नल फ्री शहर बनाने की योजना पर काम कर रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को स्मार्ट बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। अधिकारी ने बताया कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग इंदौर को सिग्नल रहित शहर बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस पहल का मकसद शहर में ट्रैफिक को निर्बाध रूप से संचालित करना है। योजना के तहत फ्लाईओवर, बाईलेन, अंडरपास और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहलों को लागू किया जा रहा है। योजना के पूरा होने पर नागरिकों की यात्रा का समय कम होगा और ट्रैफिक सुचारू रहेगा। इसमें कहा गया है कि सिग्नल फ्री योजना तेजी से बढ़ते शहरी यातायात को सुगम बनाने और यात्रा समय को कम करने में मदद करेगी।

552 ई-बसों की खरीद का प्रस्ताव भेजा आधिकारिक विज्ञप्ति में यह भी जानकारी दी गई है कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर मध्यप्रदेश के शहरी मार्गों पर 1330 बसें चल रही हैं। शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए पीएम ई-बस सेवा में 552 ई-बसों की खरीद का प्रस्ताव केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को भेजा गया है।

ई-चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित होगा यही नहीं भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और सागर के लिए बस डिपो इन्फ्रास्ट्रक्चर के अनुमानों को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और सागर के लिए चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के अनुमानों को मंजूरी दी गई है। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भोपाल, इंदौर और जबलपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने के लिए विभाग की ओर से 217 ई-चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का काम किया जा रहा है।

दिन में तीन बार ठप हुआ 'एक्स', बार-बार सर्वर डाउन होने से परेशान हुए यूजर्स

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स का सर्वर सोमवार शाम को तीसरी बार ठप पड़ गया। रात पौने नौ बजे के आसपास यूजर्स को एक्स पर पोस्ट करने और लॉगिन करने में दिक्कतें आईं। समस्या का समाधान फिलहाल कर लिया गया है और सेवाएं बहाल होने लगी हैं। इससे पहले दोपहर तीन और शाम को सात बजे भी एक्स पर यह समस्या आई थी। मौजूदा आउटेज की वजह से उपयोगकर्ता एक्स पर न तो कुछ पोस्ट कर पा रहे हैं और न ही किसी की पोस्ट को देख पा रहे हैं। उपयोगकर्ताओं का कहना है कि उन्हें फीड में रिट्राई लिखा हुआ दिखाई दिया। कई यूजर्स की शिकायत थी कि उन्हें एक्स पर फिर से लोड करें या पुन- प्रयास करें लिखा हुआ संदेश दिखाई दे रहा था। इससे पहले दोपहर में भी एक्स दुनियाभर में डाउन हो गया था। तकनीकी कारणों से दुनियाभर में कई उपयोगकर्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा था। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही एक्स की सेवाएं फिर से बहाल हो गईं थीं।

मैहर जा रहे परिवार को साथ हादसा

टैंकर और वाहन की टक्कर में 9 की मौत, 12 घायल, 7 गंभीर

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी में सिटी कोतवाली इलाके में सोमवार तड़के एक टैंकर और तूफान गाड़ी के बीच जोरदार टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई। वहीं, 12 घायल हो गए। इनमें से सात की हालत गंभीर है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख गहरा दुख जताया है। उन्होंने हताहतों के लिए सहायता राशि भी घोषित की है।

पुलिस उप अधीक्षक गायत्री तिवारी ने बताया कि यह घटना सीधी-बहरी रोड पर उपनी पेट्रोल पंप के पास रविवार तड़के करीब 2.30 बजे हुई। हादसे में हताहत लोग साहू परिवार, देवरी और पंडरिया बहरी के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मृतकों में पांच महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। तूफान वाहन में कुल 21 लोग सवार थे, जो मटिहानी से मुंडन संस्कार के लिए निकले थे। इस भीषण दुर्घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों में 6 बच्चे भी हैं। गंभीर घायलों को रीवा मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है, बाकी को सीधी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं।

सीधी से बहरी की ओर जा रहा था टैंकर डीएसपी तिवारी ने बताया कि राजमणि साहू अपनी बेटी का मुंडन संस्कार कराने मैहर के झोखो जा रहे थे। उनके परिवार के साथ ससुराल पक्ष के लोग भी थे, जबकि टैंकर सीधी से बहरी की ओर जा रहा था। रात ढाई बजे उपनी पेट्रोल पंप के पास दोनों वाहनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। प्रभावित परिवार के परिजन श्याम बिहारी साहू के अनुसार रात में मैहर के लिए निकले थे। उपनी पेट्रोल पंप पर ड्राइवर ने डीजल भरवाया। इसके थोड़ी ही देर बाद हादसा हो गया।

हादसे में इनकी गई जान कुंजलाल साहू, एतवरिया साहू पति राजमन साहू, एतवरिया साहू पति दीनदयाल साहू, गंगा साहू, सुखरजुआ साहू, फूलकली साहू, सुशीला साहू, शिवकुमार साहू तथा एक अन्य की पहचान नहीं हो सकी है।

मृतकों को दो दो लाख की सहायता सीएम डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए उनके परिजनो के प्रति संवेदना प्रकट की है। सीएम ने घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही मृतकों के आश्रितों को दो दो लाख रुपये और गंभीर घायलों को एक एक लाख और घायलों को 50—50 हजार की सहायता घोषित की है।

जुलूस में जा रहे युवक की पुरानी रंजिश में हत्या, लोगों ने किया चक्काजाम

इंदौर। इंदौर के एमआईजी क्षेत्र में एक युवक की पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों ने हत्या कर दी। युवक को मौत के घाट उतारने का समय आरोपियों ने तब चुना, जब वह टीम इंडिया की जीत के जश्न में निकल रहे जुलसू में शामिल होने जा रहा। युवक महेश बामरिया केटरिंग का काम करता था। वह अपने घर से निकाला ही था और आरोपी सूरज पिता संतोष से उसका सामना हो गया। दोनो के बीच पुरानी रंजिश थी। सूरज ने उसे देखकर अपशब्द कहना शुरू कर दिए, तो महेश ने विरोध किया इसके बाद सूरज का भाई आशुतोष और एक आरोपी राम ने उसे घेर लिया और चाकू मार कर हत्या कर दी। सोमवार को शवयात्रा निकालने से पहले आक्रोशित लोगों ने बस्ती के बाहर चक्काजाम कर दिया। बाद में पुलिस ने लोगों को समझाया और चक्काजाम समाप्त हुआ। बेटे को बचाने गई मां भी घायल हुई है। परिजनों ने कहा कि आरोपी बस्ती में दबंगाई करते थे। वे युवतियों को छेड़ते थे। वे बस्ती में आंतक बरकार रखना चाहते थे, ताकि कोई उनके खिलाफ न बोले। संतोष को भी उन्होंने इसलिए मारा,क्योकि वह गलत बातों का विरोध करता था।

रहवासी बोले आरोपियों के मकान तोड़ो संतोष का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया। बस्ती में अर्थी उठाने से पहले ही हत्या से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दी। वे नारेबाजी करने लगे। उनका कहना था कि आरोपी आदतन बदमाश है। बस्ती में उनका आंतक पुलिस को खत्म करना चाहिए। उनके मकान तोड़ने की मांग भी लोगों ने की। पुलिस अफसरों ने लोगों से कहा कि आरोपियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

यह बताया परिवार ने परिवार ने बताया कि रविवार रात को भारत-न्यूजीलैंड मैच के बाद महेश जुलूस में निकला था। घर से कुछ ही दूरी पर पुरानी रंजिश के चलते सूरज से उसका सामना हो गया। सूरज ने उसकी छाती पर चाकू से हमला कर दिया। महेश के पिता कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। पुलिस ने देर रात हत्या की जानकारी लगने पर कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस की एफआईआर के मुताबिक मरूबाई पर महेश से हो रहे विवाद में बचाव करने पहुंची। इस दौरान आरोपियों ने चाकू निकाला। मरूबाई के हाथ में चाकू लगा। जब महेश बीच में आया तो आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें ज्यादा खून बहने से उसकी मौत हो गई।

इलाके में आए दिन हो रही घटनाएं महेश के परिजनों ने पुलिस से कहा कि हमारे इलाके में आए दिन घटनाएं घट रही हैं। छोटी बच्चियां निकले, महिलाएं निकले कमेंट करते हैं। और सभी को ऐसे दबाकर रखते हैं, जैसे इलाके पर उन्होंने कब्जा कर रखा हो। लोगों को चाकू लेकर चमकाना, मारना रोज की बात है। इसके पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। बेचारे पुलिस को रिपोर्ट करने में भी डरते हैं। रास्ते में रोककर परेशान करते हैं।

रंगपंचमी की गेर में हुड़दंगियों पर होगी सख्त कार्रवाई, कलेक्टर के सख्त निर्देश

इंदौर। रंगपंचमी पर 19 मार्च को इंदौर में पारंपरिक गेर निकाली जाएगी। गेर में किसी भी प्रकार का हुड़दंग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। गेर मार्ग को सेक्टर में बांटा जाएगा। सेक्टर-वाइज कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। पूरे मार्ग पर डीसीपी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। ये सभी निर्णय सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई बैठक में लिए गए। बैठक में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और कलेक्टर आशीष सिंह सहित पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। गेर की व्यवस्थाओं को जिला प्रशासन, पुलिस और आयोजकों के संयुक्त प्रयास से और बेहतर बनाने की योजना पर चर्चा हुई। गेर की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और इसे पारंपरिक रूप से निर्धारित मार्गों से निकाला जाएगा। राधा-कृष्ण फाग यात्रा के साथ टोरी कॉर्नर, मॉरल क्लब, रसिया कॉर्नर, संगम कॉर्नर और जूनी इंदौर क्षेत्र से माधव फाग यात्रा निकलेगी। बैठक में आयोजकों ने गेर से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां साझा कीं।

अनुशासन का पालन करें गेर आयोजक कलेक्टर ने आयोजकों से कहा कि, वे अपनी-अपनी गेर समय के साथ ही तय क्रम से ही निकाले। समय और अनुशासन का विशेष रूप से पालन करें। वे यह तय करें कि, किसी भी तरह की हुड़दंग न हो। कोई भी अवांछित सामग्री का उपयोग नहीं करें और न ही गेर में शामिल लोगों पर फेंके। गेर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आर्थिक मदद भी दी जाएगी। गेर के दौरान ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों का पालन करें। अश्लील और अभद्र गाने नहीं बजाय जाए। उन्होंने कहा कि, गेर को यूनेस्को की धरोहर सूची में शामिल करने का प्रयास जारी है। भारत सरकार के संस्कृति विभाग को आगामी कार्यवाही के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए गए हैं।

कैमरों से सतत निगरानी रखी जाएगी पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने कहा कि- संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। व्यवस्थाओं को देखते हुए सभी स्वागत मंच रोड के एक ही तरफ लगवाए जाएंगे। गेर में किसी भी तरह की हुडदंग करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। हथियार सहित पकड़े जाने पर असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी और वीडियो कैमरों से सतत निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पूरे गेर रास्ते को सेक्टर में विभाजित कर सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। सेक्टर वाइज कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। पूरे रास्ते पर डीसीपी को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। महिला वॉलंटियर भी तैनात रहेंगे। लोगों से आग्रह किया गया कि, गेर में गड़बड़ी करने वाले तत्वों और हथियार रखने वालों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। शराब पीकर शांति भंग करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। वॉलंटियर की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करें। उन्हें पहचान पत्र भी दिए जाए।

इंदौर में केरल के रानी पाइनेपल की बहार, रोज 40 से 50 टन की आवक

इंदौर। इंदौर की देवी अहिल्याबाई फल एवं सब्जी मंडी में गर्मी की शुरूआत के साथ पाइनेपल की भरपूर आवक हो रही है। रमजान के दौरान रोजेदार और आम लोग गर्मी से राहत के लिए पाइनेपल का सेवन कर रहे हैं। देश में सिर्फ दो जगहों पर पाइनेपल की खेती होती है। केरल के कोच्ची में रानी पाइनेपल और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में राजा पाइनेपल उगाया जाता है। फरूट व्यापारियों के मुताबिक, मंडी में रोजाना 40 से 50 टन रानी पाइनेपल आ रहा है। इसकी कीमत 40 से 60 रुपए प्रति किलो है। रानी पाइनेपल स्वाद में मीठा होता है और जूस बनाने के लिए बेहतर माना जाता है। वहीं राजा पाइनेपल की खपत दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और जयपुर में अधिक होती है। यह 25 से 35 रुपए प्रति किलो बिकता है। राजा पाइनेपल 4-5 दिनों में खराब हो जाता है। परिवहन लागत अधिक होने के कारण व्यापारी इसे कम मात्रा में मंगवाते हैं। पाइनेपल की खेती चाय के बागान की तरह की जाती है। छोटे-छोटे पौधों में एक पेड़ पर 2 से 5 फल लगते हैं। इसके अलावा मंडी में राजस्थान के जीवानी और गुजरात के कच्छ से 4-5 टन अनार की आवक हो रही है। अनार 80 से 120 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। राजस्थान और गुजरात का अनार दुबई, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और अमेरिका तक निर्यात किया जा रहा है।

भीख लेने-देने वालों पर कानूनी कार्रवाई फिर से शुरू, कलेक्टर जारी किया आदेश

इंदौर। इंदौर में भिक्षावृत्ति पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध के बावजूद शहर के विभिन्न स्थलों जैसे ट्रैफिक सिग्नल, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भिक्षावृत्ति की गतिविधियां जारी हैं। इस स्थिति को देखते हुए कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को एक बार फिर सख्त आदेश जारी किया। उन्होंने नागरिकों को भिक्षावृत्ति से संबंधित किसी भी घटना की सूचना देने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराया है। अब तक इंदौर प्रशासन द्वारा 354 भिखारियों को रेस्क्यू कर उज्जैन के सेवाधाम आश्रम भेजा जा चुका है। इसके अलावा, 45 बच्चों को बाल सुधार गृह में भेजा गया है ताकि उन्हें उचित देखभाल और सुरक्षा दी जा सके। कलेक्टर आशीष सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि शहर के ट्रैफिक सिग्नल, चौराहे, धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभी भी भिक्षावृत्ति की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भिक्षावृत्ति की आड़ में कई आपराधिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं, जिससे अपराधों को बढ़ावा मिलता है हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया कलेक्टर ने कहा कि भिक्षावृत्ति के माध्यम से कई बार नशाखोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसे पूरी तरह रोकने के लिए भारतीय नागरिक अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत इंदौर में किसी भी प्रकार से भीख लेना, देना या भिक्षा स्वरूप कोई सामान देना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। इस नियम का उल्लंघन करने पर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहरवासियों को इस मुद्दे पर जागरूक करते हुए कलेक्टर ने भिक्षावृत्ति से संबंधित किसी भी घटना की शिकायत के लिए संपर्क नंबर जारी किया है। यदि कोई व्यक्ति भिक्षावृत्ति करता हुआ या भिक्षा देता हुआ नजर आए, तो उसकी शिकायत महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी दिनेश मिश्रा को 9691494951 पर की जा सकती है।

ई-रिक्शा महिला ड्रायवर से छेड़छाड़ आरोपी को लोगों ने किया पुलिस के हवाले

इंदौर। इंदौर के बाणगंगा में पुलिस चौकी के पास एक ई रिक्शा महिला चालक के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला के मदद मांगने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि रविवार को उसकी ई रिक्शा अरविंदो अस्पताल पुलिस चौकी के सामने खराब हो गई। उसने अपने परिचित ऑटो चालक से मदद मांगी। तभी वहां पर राकेश कुमावत बाइक से आया। वह सामने खड़े होकर अश्लील इशारे करते हुए फ्लांइग किस देने लगा। इसके बाद वह पास आ गया। उसे टोका तो और हरकतें करने लगा। महिला के चिल्लाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस सहायता केन्द्र में बैठे पुलिसकर्मियों को राकेश की हरकतों की जानकारी दी। पुलिस ने उसे पकड़ा और थाने लेकर आ गई। महिला की शिकायत पर छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई की गई है।

दूध व्यवसायी सहित तीन के साथ मारपीट

इंदौर। इंदौर के हीरानगर में रविवार रात एक दूध व्यवसायी और उसके दो दोस्तों को एक होटल संचालक और उसके स्टाफ ने बुरी तरह पीटा। इस मामले में पुलिस ने देर रात शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज किया है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। हीरानगर पुलिस ने अभय परमार की शिकायत पर ए.जे. ग्लोबल होटल के संचालक प्रेम सैनी और उनके कर्मचारियों के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। अभय ने बताया कि, रात करीब साढ़े बारह बजे वह अपनी गाड़ी से घर पहुंचे थे। उनके साथ उनके दोस्त रूद्र और प्रियांशु भी थे।

इस दौरान होटल की ओर से किसी ने उनके घर के पास बाइक खड़ी कर दी थी। अभय ने बाइक हटाने की बात कहकर घर के अंदर चले गए। कुछ देर बाद जब वे दोबारा बाहर आए, तो होटल संचालक प्रेम सैनी और उनके कर्मचारियों ने उन्हें अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी देते हुए डंडों और बेसबॉल के बल्ले से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव कर रहे उनके दोस्तों को भी पीटा गया। इस मामले में सोमवार को स्थानीय निवासी एकत्रित हुए। उन्होंने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि, होटल में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

हीरानगर पुलिस ने इस मामले में प्रेम और उसके कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित अभय का कहना है कि आरोपी पक्ष की ओर से उसे जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

आईसीसी ट्रॉफी फाइनल पर चल रहा था सट्टा , आधा दर्जन लोग गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने आईसीसी ट्रॉफी के फाइनल मैच में सट्टे की बुकिंग कर रहे बुकियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लैपटॉप, मोबाइल और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया की टीम को सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 78 स्थित मंगलम अपार्टमेंट के एक फ्लैट में कुछ लोग आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी पर सट्टा खिला रहे हैं। इस पर टीम ने वहां दबिश दी और छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में रवि चौधरी (बड़नगर, उज्जैन), नीलेश पाटीदार (रतलाम), मोहित नागर, सचिन यादव (बड़नगर), विशाल यादव (रतलाम) और साहिल खान (एमआर 10, इंदौर) शामिल हैं। ऑनलाइन सट्टे का खेल आरोपी वीन जॉय डॉट कॉम और रिबेल 24 डॉट कॉम के जरिए क्रिकेट मैच पर सट्टा लगा रहे थे। आरोपियों ने बताया कि वे ग्राहकों को इन वेबसाइटों की आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराते थे, जिसके लिए पहले एडवांस रकम जमा कराई जाती थी। क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के पास से 52 मोबाइल, 9 लैपटॉप, 4 दर्जन बैंक खातों की जानकारी और कई एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

राऊ इलाके में 12 वीं की छात्रा से रेप, केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के राऊ इलाके में 18 वर्षीय छात्रा के साथ रेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मयूर, निवासी पिगडंबर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक, दो साल पहले उसकी मयूर से दोस्ती हुई थी। मयूर ने शादी का वादा किया, लेकिन जब वह नाबालिग थी, तब उसने इनकार कर दिया। मार्च 2024 में आरोपी बहाने से उसे सिलिकॉन सिटी में एक परिचित के घर ले गया और शादी का झांसा देकर रेप किया। इसके बाद भी आरोपी लगातार शादी का भरोसा दिलाता रहा। नवंबर 2024 में जब पीड़िता बालिग हुई, तो आरोपी उसे गोल चौराहे स्थित एक फ्लैट में ले गया और दोबारा रेप किया। जब पीड़िता ने शादी की बात की, तो आरोपी ने इनकार कर दिया और धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। डर और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर छात्रा ने परिजनों को पूरी घटना बताई, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

होली मिलन समारोह में एकजुट हुए टैक्स अधिकारी और सीए

इंदौर। इंदौर में टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन, सीए शाखा और आयकर विभाग ने संयुक्त रूप से होली मिलन समारोह का आयोजन किया। आयकर प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल के मेम्बर सीए बीएम बियानी मुख्य अतिथि थे। बियानी ने कहा कि इस तरह के संयुक्त आयोजन आपसी प्रेम और भाईचारा बढ़ाते हैं। इससे दोनों पक्ष देश के विकास में बेहतर योगदान कर पाते हैं। आईटीएटी के ज्यूडिशियल मेम्बर परेश जोशी ने बताया कि मार्च एंडिंग की व्यस्तता के बीच यह कार्यक्रम मानसिक थकान दूर करने में मदद करता है। मुख्य आयकर आयुक्त अजय कुमार अत्री ने होली के महत्व को समझाते हुए कहा कि बीती बातों की चिंता छोड़कर आगे के कर्म योग-युक्त होकर करने चाहिए। टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के मानद सचिव सीए अभय शर्मा ने बताया कि होली बसंत के आगमन और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। टीपीए प्रेसिडेंट सीए जेपी सराफ ने कहा कि उनका संगठन हर साल आयकर विभाग के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन करता है। उन्होंने बताया कि जैसे हास्य कवि सम्मेलन नैराश्य को दूर करता है, वैसे ही होली आपसी मतभेद मिटाने का त्योहार है। इंदौर सीए शाखा के वाइस चेयरमैन सीए समकित भंडारी ने कहा कि होली और धुलंडी के दौरान रंगों के उपयोग के विभिन्न सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व हैं। यह त्योहारों का एक अभिन्न अंग है और वसंत के आगमन, बुराई पर अच्छाई की विजय और एकजुटता की भावना का प्रतिनिधित्व करता है।

सीए सत्यनारायण गोयल ने इस अवसर पर कविता पेश करते हुए कहा कि कवि सम्मेलन संयोजक सीए एस एन गोयल ने कहा- कविता जगमग ज्योति है कविता गीता कुरान, कविता होती नहीं जग में, जग होता श्मशान..., आंख लाल है, तन पीला है, सूखे सूखे मुरझाए चेहरों को, रंगीन गुलाबी कर दे, लक्ष्मी मैया वर दे इस होली से, जन जन को मालामाल कर दे....शशिकांत शशि ने कहा- अमन का, दोस्ती का रंग लेकर आओ होली में, हर एक इंसा को एक ही रंग मे रंग जाओ होली में, जमीं से नफरतों के दाग धोते है हमें मिलकर बदरिया प्रेम के रंगों भरी बरसाओ होली में, कवि प्रियांशी गजेंद्र ने कहा- इतने निमोहीं कैसे सजन हो गए, किसकी बाहों में जाकर मगन हो गए, लौटकर के न फिर आये परदेश सेआ, दमी न हुए कालाधन हो गए...। मनीष गोस्वामी ने कहा-शर्म करता है मेरे सामने आने से कोई पूछ लेता है मेरा हाल जमाने से कोई हो गई जिंदगी रंगीन नजारों की तरह छू गया रंग लगाने के बहाने से कोई..। संचालन टीपीए के मानद सचिव सीए अभय शर्मा ने किया। धन्यवाद् अभिभाषण इंदौर सीए शाखा के सचिव सीए मिलि वाधवानी ने दिया ' इस अवसर पर टीपीए के पास्ट प्रेसिडेंट महेश अग्रवाल, रीजनल कौंसिल मेंबर सीए आनंद जैन, सीए कीर्ति जोशी, सीए शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, सीए उमेश गोयल, सीए दीपक माहेश्वरी , सीए स्वर्णिम गुप्ता, सीए सुनील पी जैन, सीए पंकज शाह सहित बड़ी संख्या में सीए ,कर सलाहकार एवं आयकर अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे '

किसान कांग्रेस का मंच टूटा, प्रदेश अध्यक्ष समेत कई घायल

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, बीजेपी की साजिश

भोपाल । राजधानी भोपाल में कांग्रेस किसान के प्रदर्शन के लिए इकट्ठा हुए प्रदेश भर के नेताओं का मंच टूट गया, जिसमें कांग्रेस किसान के प्रदेश अध्यक्ष समेत करीब 10 लोग घायल हो गए। हालांकि कोई कैजुअल्टी नहीं हुई है। सभी की हालत ठीक बताई जा रही है। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह को पसलियों में लोहे की रॉड लगी है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने इस घटना को बीजेपी की साजिश कहा है। इधर घटना की थोड़ी देर बाद ही किसान कांग्रेस के कार्यकर्ता आगे बढ़े। पुलिस ने वाटर कैनन से सभी को आगे बढ़ने से रोक लिया। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद वे मंच टूटने से घायल हुए नेता और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा कि घायलों कि हालत अब ठीक है। दरअसल, विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन भोपाल में किसान कांग्रेस विधानसभा का घेराव करने इकट्ठा हुई। रंगमहल चौराहे पर प्रदर्शन के बीच कांग्रेस का मंच टूट गया।

नेता प्रतिपक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष बोले बीजेपी का

षड्यंत्र

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मंच टूटना बीजेपी की साजिश सो सकती है लेकिन बीजेपी को नहीं पता है कांग्रेस का मंच बहुत मजबूत है। कहा, सरकार किसानों की बात सुनना नहीं चाहती। कांग्रेस किसानों के हक के लिए आवाज उठाती है तो वाटर कैनन छोड़ा जाता है, लाठीचार्ज किया जाता है। वहीं पूर्व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने मंच टूटने को लेकर कहा कि ये भाजपा का षड्यंत्र है। वो चाहती ही नहीं थी कि कांग्रेस का प्रदर्शन हो। बड़ी मुश्किल से मंच लगाने की परमिशन दी, लेकिन मंच के लिए मजबूत पाए लगाने नहीं दिए। और हमारे यहां ये परंपरा है कि मंच पर पदाधिकारी भी मौजूद रहते हैं। ज्यादा भार के कारण मंच टूट गया।

पटवारी बोले, ये कैसा अहंकार

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी भी प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद वे मंच टूटने से घायल हुए नेता और कार्यकर्ताओं से मिले। उन्होंने कहा कि घायलों कि हालत अब ठीक है। उन्होंने कहा कि न सोयाबीन के सही दाम हैं न गेहूं के दाम हैं। ये कैसा अहंकार है। जब किसान ज्ञापन देने आते हैं तो वो भी नहीं सुनते। हमारे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से 10 सवाल पूछे, बीजेपी की मोहन सरकार के पास इन सवालों के कोई उत्तर नहीं है। हम किसानों की लड़ाई तन-मन और धन से लड़ेंगे। पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों से किए वादे भूल गई है, इसीलिए सोई बीजेपी सत्ता को जगाने के लिए प्रदेश भर से आए किसानों के साथ विधानसभा का घेराव किया! किसान कांग्रेस का एक ही संकल्प है!

जनता के मुद्दों से मुंह छिपा रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि उन्हें वाटर केनन और लाठियों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। उन्होंने कहा कि किसानों की बात करने पर हमारे ऊपर वाटर केनन और लाठीचार्ज करके किया जा रहा है। उमंग सिंघार ने आगे कहा कि सरकार जनता के मुद्दों से मुंह छिपा रही है और विपक्ष की आवाज दबाने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके तमाम विधायक सदन से लेकर सड़क तक किसानों की आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि किसानों के एमएसपी और युवाओं के रोजगार को लेकर मजबूती से संघर्ष किया जाएगा।

भोपाल के 5 स्थानों पर मियावाकी तकनीक से विकसित किए जाएंगे जंगल

कलेक्टर ने दिए सभी विभागों को टारगेट

भोपाल। जिले में मियावाकी तकनीकी से जंगल विकसित किए जाएंगे। इसे लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आगामी समय में पौधारोपण के लिए स्थानों के चयन को लेकर सोमवार को कलेक्टोरेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के लिए पौधारोपण के टारगेट के अनुरूप स्थानों का चयन किया गया। तयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

इन इन क्षेत्रों में विकसित किया जाएंगे जंगल भोपाल जिले में ग्राम पंचायत फंदा एंव जनपद पंचायत बैरसिया में लगभग 121 स्थानों पर लगभग 50 हजार से अधिक एवं नगर निगम भोपाल द्वारा 7 से 8 स्थानों पर लगभग डेढ़ लाख से अधिक पौधारोपण किया जाएगा। जिसके अंतर्गत ग्राम कजलीखेड़ा, आदमपुर छावनी लैंड फिल साइट, जंबूरी मैदान, बीएचएचईएल प्लाटेंशन साइट की गैप फिलिंग, कलियासोत नदी के

किनारे दोनो तरफ, कैरिया कॉलेज के पीछे, सूरज नगर, बड़ा तालाब, छोटा तालाब के समीप, एयरपोर्ट क्षेत्र में, पक्षी विहार काली बाड़ी, बरखेड़ा पठानी, भानपुर नाले से लगकर, छोटा तालाब डांडी पार्क, प्रियदर्शिनी पार्क, लहारपुर डेम के पास, चिरायु के सामने भैसाखेड़ी एवं पुलिस ट्रेनिंग अकेडमी भौंरी कान्हा सैंया में वृक्षारोपण किया जाएगा।

सामाजिक संस्थाओं का लेंगे सहयोग सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से भोपाल जिले में मियावाकी तकनीकी से जंगल विकसित किए जाएंगे। बैठक में राम आस्था मिशन फाउंडेशन के द्वारा भोपाल जिले के 5 स्थानों पर मियावाकी तकनीक से घने जंगल विकसित करने के लिए भोपाल एयरपोर्ट क्षेत्र कलिया सोत, केरवा डेम, बैरसिया की ग्राम पंचायत बर्रीखेड़ा एवं सूखी सेवनिया की गौशालाओं के स्थान का चिन्हांकन किया गया है। आस्था फाउंडेशन के द्वारा मियावाली तकनीकी के इंडियन वर्जन के अंतर्गत शहर के गीले कचरे, तालाब से निकलने वाली जल कुंभी, मंदिरों से निकलने वाले फल-फूलों के वेस्ट, गौशालाओं के जैविक खाद मृत पशुओं के शरीर का उपयोग कर जंगल विकसित किए जाएंगे।

जाने क्या मियावाकी तकनीक आसान भाषा में समझें तो मियावाकी तकनीक एक छोटी सी जगह में जंगल उगाने का बेहतरीन तरीका है। मियावाकी जंगल को खास प्रक्रिया के जरिए उगाया जाता है, ताकि ये हमेशा हरे-भरे रहें। जंगल उगाने के इस खास तरीके को जापान के बॉटेनिस्ट अकीरा मियावाकी ने खोजा था। अकीरा का मानना था कि चर्च और मंदिर जैसी धार्मिक जगहों पर पौधे अपने-आप पैदा होते हैं, यही वजह है कि ये लम्बे समय तक बरकरार रहते हैं। इसी सोच के साथ मियावाकी तकनीक की नींव पड़ी। इस तकनीक से पौधे लगाने के लिए सबसे पहले उस जगह की आबोहवा के अनुसार पौधों को चुनाव किया जाता है। अगर बीज के जरिए पौधे उगाकर वहां पर लगाने की कोशिश की जा रही है तो ध्यान रखना होगा कि उन्हें उसी मिट्टी में पहले नर्सरी में उगाया गया हो। फिर उसे उस जगह लगाया जाए जहां जंगल को विकसित करना चाहते हैं। इस तरह पेड़ों को वही मिट्टी मिलेगी जिसमें वो अब तक पनपा है. इस तरीके से इसे घर के गार्डन में भी जंगल उगाया जा सकता है, अगर बड़ा हिस्सा है तो।

यह है पूरी प्रॉसेस जिस जगह इस तकनीक से जंगल लगाना है वहां की मिट्टी में जैविक खाद, भूसा, नारियल का जूट डालकर उसकी उर्वरता बढ़ाई जाती है। इसके बाद आधे-आधे फीट की दूरी पर खाद डालकर पौधों को लगाया जाता है। पौधों को तीन लेयर में रखा जाता है. तीन तरह के पौधे लगाए जाते हैं। इनमें झाड़ीनुमा, फिर मध्यम आकार के पौधे और मध्यम से थोड़े बड़े पौधे लगाए जाते हैं। पौधों को लगाने के बाद जमीन पर घास और टूटी हुई पत्तियां डाली जाती हैं। ये सूरज की तेज धूप से खत्म होने वाली नमी को रोकता है।नतीजा मिट्टी में नमी बरकरार रहती है और ये हरे-भरे रहते हैं।

जीएमसी भोपाल में मेडिकल छात्राएं सीखेंगी जूडो-कराटे

छात्राएं मानसिक और शारीरिक रूप से होंगी मजबूत

भोपाल। राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में डॉक्टरी की पढ़ाई कर रही छात्राएं अब जूडो कराटे की ट्रेनिंग भी लेंगी। इन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जीएमसी ने नई पहल की है। सोमवार से चिकित्सा छात्राओं की सेल्फ डिफेंस क्लास शुरू हुई। इसका शुभारंभ पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्रा ने किया। यह पहला बैच है, जिसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली लड़कियों को जूड़ो कराटे की क्लास लगेगी। कॉलेज का कहना है कि इसकी पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। पिछले महीने जीएमसी ने यह मसौदा तैयार किया था। जिस पर सोमवार से अमल शुरू हो गया है। जीएमसी डीन डॉ. कविता सिंह ने बताया कि चिकित्सा छात्राओं को यह गुर सिखाना बहुत जरूरी है, क्योंकि अध्यापन के साथ-साथ इन्हें मेडिकल प्रैक्टिस करनी पड़ती है। इस तनाव से निपटने के साथ-साथ छात्राएं कैसे अपनी आत्मरक्षा कर सकती हैं। इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इन्हें सेल्फ डिफेंस का कोर्स प्रारंभ किया।

शारीरिक और मानसिक फिट रखने का प्रयास निरंतर पढ़ाई के तनाव में दबी चिकित्सा छात्राओं का जूडो-कराटे की विद्या में कौशल बढ़ाया जाएगा। इस संबंध में गांधी मेडीकल कॉलेज की एक्जुकेटिव कमेटी ने निर्णय लिया है। गांधी मेडीकल कॉलेज स्वीकार कर रहा है कि विद्यार्थियों पर काम का अधिक दबाव है। कालेज में पठन-पाठन के साथ-साथ अस्पताल में उपचार प्रेक्टिस इनके लिए बड़ी चुनौती है। निश्चित तौर पर छात्राओं पर काम के बोझ के चलते तनाव भी हावी हो रहा है। नतीजतन उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से फिट करने के लिए जूडो कराटे का विकल्प निकाला गया है।

आत्मरक्षा के लिए कुशल होंगी छात्राएं जानकारी के मुताबिक गांधी मेडिकल कॉलेज कैंपस में इन्हें शिफ्टो में कक्षावार जूडो-कराटे सिखाया जाएगा। अगर यहां जगह कम पड़ी को कॉलेज की छत पर भी क्लास लगाई जाएगी। अधिकारी कहते हैं कि प्रारंभिक दौर में सप्ताह में दो दिन कॉलेज छात्राओं को इस विद्या में माहिर बनाया जाएगा। टीचरों का कहना है कि जूडो कराटे से छात्राएं शारीरिक श्रम करेंगी तो वह तन मन से मजबूत रहेंगी। यह एक ऐसा ज्ञान है, जिसके गुर हासिल कर स्टूडेंट अपराधिक तत्वों से अपनी आत्मरक्षा कुशलता और निपुणता के साथ कर सकती हैं। मानसिक तनाव से होने वाली आत्महत्याओं की घटनाएं रोकी जा सकेंगी। छात्राएं नकारात्मक भावों को कुचलते हुए सकारात्मक सोच की दिशा में कदम रखेंगी।

तन-मन से मजबूत बनाने के लिए देंगे प्रशिक्षण गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की स्टडी करके प्रस्ताव तैयार किया गया है। जीएमसी की डीन डॉ. कविता सिंह ने बताया कि हम कॉलेज में चिकित्सा छात्राओं के लिए जूडो-कराटे की क्लास लगाने जा रहे है। महाविद्यालय की एवजीक्यूटिव कमेटी ने यह निर्णय लिया है। छात्राओं को तन-मन से मजबूत बनाने के लिए यह प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मप्र में 10 प्रतिशत महंगी हो सकती है शराब

टैक्स बढ़ने के बाद 350 रुपए प्रूफ लीटर वाली हो जाएगी 385 की

सरकार ने शराब पर वैट बढ़ाने का लिया है निर्णय

भोपाल। मध्य प्रदेश में शराब के दाम 10 प्रतिशत बढ़ सकते हैं। वजह यह है कि राज्य सरकार ने शराब पर 10 प्रतिशत वैट (वैल्यू एडेड टैक्स) बढ़ाने का निर्णय लिया है। उदाहरण के लिए शराब पर वैट 350 रुपये प्रूफ लीटर था, 10 प्रतिशत बढ़ोतरी करने पर यह 385 रुपये प्रूफ लीटर हो जाएगा। बता दें कि एक लीटर के बराबर एक प्रूफ लीटर होता है। हालांकि, वैट बढ़ाने के साथ ही आबकारी विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि शराब निर्माता कंपनी मनमाने तरीके से शराब का मूल्य नहीं बढ़ा सकेंगी। दरअसल, शराब निर्माता कंपनी का तर्क होता है कि उनकी शराब विभिन्न राज्यों में विक्रय

की जाती है। ऐसे में दूसरे राज्यों से तुलना कर शराब की कीमत में वृद्धि की जाती है, लेकिन अब शराब की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और (एमआरपी) मध्य प्रदेश के पड़ोसी राज्यों में शराब पर वैट और कीमत की तुलना कर जो राज्य के अनुकूल होगा, उसके आधार पर ही शराब का मूल्य तय किया जाएगा।

31 जिलों में शराब के ठेकों की ई-टेंडरिंग और बिड से होगी नीलामी मध्य प्रदेश में 21 जिलों में शराब ठेकों की 100 प्रतिशत नीलामी की जा चुकी है। 81 समूहों ने शराब के ठेके उठाए हैं। अब 31 जिलों में शराब के ठेके होना है। नीलामी की प्रक्रिया के बावजूद जबलपुर और दमोह सहित अन्य जिलों में ठेके नहीं उठ पा रहे हैं। यहां ई-टेंडररिंग और बिडिंग से नीलामी की जाएगी।

साईं अकादमी में नौकरी से निकाले गए दो कर्मचारियों ने फिनाइल पीया

महिला की हालत नाजुक

भोपाल। राजधानी के रातीबढ़ इलाके में स्थित साईं स्पोर्ट्स अकादमी में नौकरी से निकाले जाने से दुखी एक महिला कर्मचारी और एक अन्य कर्मचारी ने फिनाइल पीकर आत्महत्या की कोशिश की। दोनों आउटसोर्स कर्मचारी हैं। बताया जा रहा है कि पांच कर्मचारियों को अचानक नौकरी से हटा दिया गया, जिससे दुखी होकर उन्होंने यह कदम उठाया। फिनाइल पीने वाले महिला और पुरुष दोनों को जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद कर्मचारियों ने अकादमी में हंगामा किया।

18 साल से कर रहे थे काम, अचानक निकाला महिला के पति राजू लोहट ने बताया कि वह और उनकी पत्नी नीतू पिछले 18 साल से साईं अकादमी में सफाई कार्य देख रहे थे। तीन महीने पहले एक व्यक्ति ने बताया कि अकादमी में आउटसोर्स कर्मचारियों के ठेके को बदल दिया गया है, और अगर नौकरी जारी रखनी है तो 25-25 हजार

रुपए देने होंगे। इस व्यक्ति ने सभी 22 आउटसोर्स कर्मचारियों से कुल पांच लाख रुपए की मांग की। कर्मचारियों ने इस घटनाक्रम का वीडियो भी रिकॉर्ड किया था और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

तीन महीने बाद अचानक नौकरी से हटाया राजू का कहना है कि तीन महीने तक इस बारे में कुछ नहीं कहा गया, लेकिन सोमवार को अचानक उन्हें, उनकी पत्नी नीतू, सुरेश फकीरा, प्रदीप और गणेश राम को नौकरी से हटाने की सूचना दी गई। पैसे नहीं देने पर कार्रवाई की गई। इससे आहत होकर उनकी पत्नी नीतू और सुरेश ने वॉशरूम में जाकर फिनाइल पी लिया। नीतू की हालत गंभीर बनी हुई है और उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। इधर, रातीबढ़ थाना प्रभारी रास बिहारी शर्मा ने कहा कि फिलहाल थाने में इस घटना की सूचना नहीं है। शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब सज्जन वर्मा बोले, कांग्रेस के कई नेता बीजेपी से मिले हुए हैं, कार्रवाई होना चाहिए

भोपाल। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कांग्रेस के भीतर रहकर भाजपा के लिए काम करने वाले नेताओं पर टिप्पणी करने के बाद मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने भी इस विषय को छेड़ दिया है। उन्होंने भोपाल में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारे कई नेता भाजपा के नेताओं से गठजोड़ करते हैं। विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में ऐसे नेताओं ने पार्टी को नुकसान पहुंचाया। कई शिकायतें मिली हैं। अनुशासन

समिति की बैठक बुलाकर ऐसे नेताओं पर कार्रवाई की जानी चाहिए। सज्जन सिंह वर्मा ने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए मध्य प्रदेश के संदर्भ में कहा कि ऐसे लोगों को पार्टी से बाहर किया जाना चाहिए। ये लोग पार्टी के लिए घातक हैं।बकौल सज्जन वर्मा, ये नेता पद हमारे यहां लेते हैं और भाजपा से हाथ मिलाकर अपने ही उम्मीदवारों को हराने का काम करते हैं। ऐसी सैंकड़ों शिकायतें मिली हैं। अनुशासन समिति की बैठक बुलाकर ऐसे मामलों में कार्रवाई की जानी चाहिए।

भाजपा की प्रतिक्रिया राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेसियों को संदिग्ध बता रहे हैं और मध्य प्रदेश में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा उनकी बात का समर्थन करते हैं। कांग्रेस नेताओं को अपनी पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं पर ही भरोसा नहीं है।

कारोबारी सौरभ अग्रवाल के यहां आयकर का सर्वे, जल्द होगा अघोषित आय का खुलासा

भोपाल। राजधानी में आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को चूना भट्टी स्थित एक प्रतिष्ठान में टैक्स चोरी के मामले में कारोबारी के यहां आयकर सर्वे शुरू किया है। टैक्स चोरी के मामले में जांच के दायरे में आए कारोबारी को पूर्व मुख्य सचिव का करीबी बताया जा रहा है। कार्यवाही शुरू होने के बाद आयकर अफसरों की टीम दस्तावेजों और नकदी व जेवरात की पड़ताल में जुटी है। सोमवार को भोपाल में सौरभ अग्रवाल के यहां आयकर विभाग के अफसरों की टीम ने दबिश दी है। सौरभ के अल्फा परफेक्ट सॉल्यूशन और अन्य ठिकानों पर जांच में करोड़ों रुपए की कर चोरी की संभावना जताई जा रही है। जांच टीम सौरभ के कर्मचारियों से भी दस्तावेजों की पड़ताल के लिए पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि सौरभ अग्रवाल के कई बड़े नेताओं और अफसरों से संपर्क हैं। उसके द्वारा इनके अघोषित आय का उपयोग अपने कारोबार में किया जा रहा था। पूर्व मुख्य सचिव का करीबी भी सौरभ को बताया जा रहा है, जिनके लिए वह काम करता रहा है।

मालीखेड़ी, शिवनगर में कल बिजली कटौती, भोपाल के 30 इलाकों में असर

भोपाल। राजधानी के करीब 30 इलाकों में मंगलवार को 30 मिनट से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें मालीखेड़ी, शिवनगर, बर्रई, मक्सी, भानपुर जैसे कई बड़े रहवासी इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग अपने जरूरी काम पहले कर लें। ताकि कोई परेशानी न हो। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक आनंदम, रीगल कलश, शिवलोक ग्रीन, अभिनव कैम्पस एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक डेयरी स्टेट, बरखेड़ा खुर्द, शारदा विहार, केरवा गेस्ट हाउस एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 3.30 बजे तक बर्रई, रापड़िया, मक्सी, कस्तूरी विहार, बागली, पाम विस्टा कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक शिव नगर, उदिया बस्ती, शंकर नगर, कल्याण नगर, टिंबर मार्केट, चांदबड़, प्रेम नगर, भानपुर, लीलाधर कॉलोनी, मालीखेड़ी, कैंची छोला, नवजीवन कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 11.30 से दोपहर 12 बजे तक अंबर कॉम्पलेक्स एवं आसपास।

संपादकीय

चिकित्सा सुविधा सुधार के मुद्दे के कभी प्राथमिकता नहीं मिली

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही।

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े ऑप्रेशन व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दशार्ता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है।

दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निमार्ताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। ये केंद्र, जिनकी देश में संख्या पंद्रह हजार के करीब है, देश के सभी जिलों को कवर करते हैं। ये केंद्र नागरिकों को सस्ती कीमत पर गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिये बनाये गए थे। लेकिन, ये केंद्र दवाओं की कमी,गुणवत्ता के नियंत्रण के अभाव और ब्रांडेड दवाओं की अनधिकृत बिक्री की समस्याओं से ग्रसित रहे हैं। निश्चित रूप से औषधि विनियामक प्रणाली में सुधार करने से तमाम असहाय रोगियों की परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है। एक रिपोर्ट बताती है

अब किसी भी भाषा का विरोध सफल नहीं हो सकता

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नई बात नहीं है। हिंदी के विरोध में जिस तरह स्टालिन ने रोजाना आधार पर मोर्चा खोल रखा है, वह 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की याद दिला रहा है। संवैधानिक प्रावधानों की वजह से 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर जिम्मेदारी संभालनी थी, जिसके विरोध में सीए अन्नादुरै की अगुआई में पूरी द्रविड़ राजनीति उतर आई थी। तब हिंदी विरोध के मूल केंद्र में तमिल उपराष्ट्रीयता थी। उसके लिए तब यह साबित करना आसान था कि उस पर हिंदी थोपी जा रही है। तब आज की तरह सूचना और संचार की सहूलियतें नहीं थीं, तब दक्षिण और उत्तर के बीच आज की तरह सहज संचार नहीं था, तब आज की तरह मीडिया का इंटरनेटी वितान नहीं था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। लिहाजा इस संदर्भ में स्टालिन के मौजूदा हिंदी विरोध की तह में जाना जरूरी हो जाता है।

चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर उत्तर भारत के किसी हिंदीभाषी इलाके का, उसके हाथ में अगर फोन है, उसमें अगर इंटरनेट का कनेक्शन है तो तय है कि उसकी उंगलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं। इसलिए कम से कम सूचना और संचार के ऐसे माध्यमों पर किसी सरकार की वजह से भाषायी बंधन आज के दौर में हो भी नहीं सकता। इंटरनेट क्रांति के पहले भाषाओं के विस्तार में बाजार ने जो भूमिका निभाई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज का बाजार वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के पंखों के सहारे कहीं और तेजी से फैल तो रहा ही है, फल-फूल भी रहा है। इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और कोई दीवार उसे रोक सकती है। बेशक तमिलनाडु भाषायी स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन वह भी हमारे देश का हिस्सा है। मौजूदा स्थिति में तेजी से विकसित होता राज्य है और उसे अपने उत्पादन केंद्रों के लिए कामगारों की जरूरत है। जिसकी आपूर्ति उत्तर भारत के ही राज्य करते हैं। उसके निजी शैक्षिक केंद्रों के लिए विद्यार्थियों की भी जरूरत है। उत्तर भारत की जो शैक्षिक स्थिति है, उसकी असलियत सबको पता है। इस वजह से उत्तर भारतीय छात्रों की आवक भी तमिलनाडु में खूब है। ऐसे माहौल में वैसे तो हिंदी विरोध के औचित्य पर ही सवाल है। फिर भी स्टालिन विरोध कर रहे हैं तो उसके अपने कारण हैं।

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी या कोई अन्य भाषी वैसे भी तमिल संस्कृति को इसलिए बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा दुनिया की पुरानी संस्कृतियों में से एक है और उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। तमिल लोग अपनी संस्कृति और भाषा से नेह-छोह ही नहीं रखते, उसका शिद्दत से सम्मान भी करते हैं। फिर तमिलनाडु की ऐसी स्थिति नहीं है कि दिल्ली, जालंधर, सूरत, लुधियाना, मुंबई की तरह तमिलनाडु के शहरों में हिंदीभाषियों की बाढ़ आ जाएगी। वैसे एक बारगी मान लें कि जिन जगहों का जिक्र हुआ है, वहां हिंदीभाषियों की बाढ़ होने के बावजूद क्या वहां की स्थानीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट आया। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। दरअसल होता यह है कि बाहर से आया व्यक्ति स्थानीय संस्कृति और समाज के लिहाज से वहां व्यवहृत भाषा को अपने सामाजिक और सार्वजनिक कामकाज की भाषा बनाता है, वह अपनी बोली-बानी को अपने सीमित समाज और परिवार में इस्तेमाल तो करता है, लेकिन उसकी सार्वजनिक संपर्क भाषा वहां की स्थानीय भाषा ही होती है। पता नहीं, इन तथ्यों को स्टालिन समझते हैं या नहीं, लेकिन वे बार-बार हिंदी पर आरोप लगाते रहते हैं कि वह तमिल संस्कृति को नुकसान पहुंचाएगी।

असल बात यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में पिछली सदी के साठ के दशक से ही स्थानीय द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व बना हुआ है। कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके जैसी स्थानीय पार्टियां ही सत्ता की मलाई खाती रही हैं। सही मायने में देखें तो ये महज स्थानीय पार्टियां ही नहीं हैं, बल्कि अपने-अपने हिसाब से तमिल उपराष्ट्रीयता का ही प्रतिनिधित्व करती हैं। तमिल उपराष्ट्रीयता होना बुरी बात नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रीयता पर हावी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह कड़वा सच है कि तमिल उपराष्ट्रीयता राष्ट्रीय मूल्यों पर हावी रहती रही है। तमिल उपराष्ट्रीयता के ही जरिये द्रविड़ राजनीति तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज रही है। लेकिन संचार और सूचना क्रांति के दौर में अब तमिल उपराष्ट्रीयता वाली सोच को लगने लगा है कि अगर हिंदी आई तो उसके जरिये राष्ट्रीयता की विचारधारा मजबूत होगी। जिसका असर स्थानीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। हिंदी या किसी भी सामान्य संपर्क भाषा के ज्यादा प्रचलन से कट्टरतावदी स्थानीय सोच को चोट पहुंचेगी और इसके साथ ही तमिल माटी में राष्ट्रीय राजनीति की जगह मजबूत होगी। जिसका आखिर में नतीजा हो सकता है कि द्रविड़ राजनीति की विदाई। कह सकते हैं कि स्टालिन को यही डर सताने लगा है। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने त्रिभाषा फॉर्मूला स्वीकार कर लिया, नई शिक्षा नीति को राज्य में लागू होने दिया तो जिस स्थानीयता केंद्रित भावना प्रधान राजनीति वे या उनके साथी स्थानीय दल करते हैं, उसका प्रभाव छीजने लगेगा। इससे स्थानीय राजनीति में उनका वर्चस्व कमजोर होगा और हो सकता है कि एक दौर ऐसा आए कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी राष्ट्रीय राजनीति हावी हो जाए। 1967 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से कांग्रेस यहां की केंद्रीय राजनीति से बाहर है। तब से वह कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके की पिछलग्गू बनी रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय जनता पार्टी की भी रही है। 2024 के आम चुनावों को छोड़ दें तो बीजेपी को भी इन्हीं दलों की बैसाखी की आस रही है। हालांकि हाल के दिनों में पूर्व अधिकारी अन्नामलाई के जरिए बीजेपी राज्य में ताल ठोक रही है। अन्नामलाई को तमिलनाडु का खुला आसमान देने के लिए बीजेपी वहां के अपने पुराने नेताओं सीपी राधाकृष्णन और एल गणेशन को राजभवन भेज चुकी है।

तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं। स्टालिन को इस बार लग रहा है कि बीजेपी के जरिये इस बार राष्ट्रीय राजनीति राज्य में अपनी ताकतवर पहुंच बना सकती है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित है कि द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को निर्णायक चुनौती मिलेगी। यही डर उन्हें हिंदी विरोध की ताजा आंच को जलाने के लिए मजबूर कर रहा है। हिंदीभाषी समाज, उत्तर भारतीय और राष्ट्रीय पहुंच वाली राजनीति को इस नजरिए को भी ध्यान रखना होगा।

बता दें कि तमिलनाडु में बीजेपी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी में जुट गई है। बीजेपी सूत्रों का मानना है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन अपनी सरकार की नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए अभी से तमिलनाडु बनाम केंद्र का माहौल बनाने में लगे हैं। साथ ही बीजेपी ने एआईएडीएमके के साथ गठबंधन की कोशिशें भी शुरू कर दी हैं।

तमिलनाडु में परिसीमन और हिंदी भाषा पर सियासी विवाद के बीच तमिलनाडु में अपने पैर जमाने की कोशिश में लगी बीजेपी तमिलनाडु की जनता के बीच जा रही है। बीजेपी का मकसद है राज्य की स्टालिन के नेतृत्व वाली इंडिया ब्लॉक सरकार की पोल खोलना। बीजेपी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समर्थन में राज्य में एक करोड़ लोगों तक पहुंचने के लिए हस्ताक्षर अभियान पिछले महीने ही शुरू किया है। इस अभियान के जरिये बीजेपी तमिलनाडु में घर-घर जाकर दस्तक देगी और लोगों को बताएगी कि कैसे तीसरी भाषा कोई भी भारतीय भाषा हो सकती है और हिंदी को लेकर जान-बूझकर राजनीतिक फायदे के लिए भ्रम फैलाया जा रहा है।

बीजेपी सूत्रों के अनुसार पार्टी आलाकमान को लगता है कि इससे पार्टी को डीएमके के नैरेटिव को काउंटर करने में मदद मिलेगी। वहीं बीजेपी के नेता और कार्यकर्ताओं की जमीन पर जनता के साथ मौजूदगी और कनेक्टिविटी भी दिखेगी। आने वाले दिनों में पार्टी आंदोलन के तौर पर राज्य के अलग-अलग शहरों में बड़ी रैलियां भी करेगी। बीजेपी का मानना है कि राज्य की डीएमके सरकार ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए और अब चुनाव के पहले बीजेपी पुराने हिंदी विरोध को फिर से उभारने की कोशिश कर रही है।

तमिलनाडु में बीजेपी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को बताएंगे कि जो थ्री लैंग्वेज फॉर्मूले के विरोध में हैं, उनके बच्चे तो उन स्कूलों में पढ़ रहे हैं, जहां थ्री लैंग्वेज पढ़ाई जाती है। जबकि गरीब बच्चे सरकारी स्कूल में जाते हैं। जहां दो भाषाएं ही पढ़ाई जाती हैं। ऐसे में गरीब के बच्चे दो ही भाषा क्यों पढ़ें? बीजेपी यह भी बताएगी कि कैसे डीएमके के नेताओं द्वारा राज्य में संचालित प्राइवेट स्कूल जो सीबीएसई बोर्ड से संबद्ध हैं, वहां थ्री लैंग्वेज का विकल्प रहता है। बीजेपी जानती है कि यह मुद्दा जितना बड़ा बनेगा, उतना पार्टी के लिए मुश्किल बढ़ सकती है, क्षेत्रीय अस्मिता/प्राइड के उभार के चलते उसके सहयोगी भी दूर जा सकते हैं। लिहाजा बीजेपी ने राज्य में गठबंधन की कोशिशें अभी से शुरू कर दी हैं।

सुंदरबन पर मंडराता जलवायु परिवर्तन का काला साया

गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के संगम पर स्थित सुंदरबन दुनिया का सबसे बड़ा ज्वारीय खारे पानी का मैंग्रोव वन है। भारत और बांग्लादेश के लगभग 10,000 वर्ग कि.मी. में फैला यह वन, किसी परिकथा की काल्पनिक दुनिया से कम नहीं। घने मैंग्रोव वन, ज्वारीय जलमार्ग, नम-भूमि और द्वीप, जिनमें धरती, आकाश और पानी में रहने वाले अद्भुत जीव-जंतु निवास करते हैं। पर मानव द्वारा बनायीं गयी ऐसी कई चीजे हैं जो आज सुंदरबन को नुक्सान पंहुचा रही हैं- प्रदूषण, नदियों पर बांधों का निर्माण, भूमि खनन और इन सब में सबसे बड़ा नाम - जलवायु परिवर्तन।

सुंदरबन का नाम यहां पाए जाने वाले सुंदरी पेड़ों के कारण हैं। इन पेड़ों की खास बात है उनकी हाथ-पांव सी दिखने वाली जड़ें जो पानी से बाहर सांस ले सकती हैं और जलमग्न स्थिति में भी ऑक्सीजन ग्रहण करने में मदद करती हैं। इनकी पत्तियां मोटी और मोमयुक्त होती हैं, जो पानी की कमी और उच्च लवणता के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती हैं। पर जलवायु परिवर्तन इनकी क्षमताओं को चुनौती दे रहा है।

पिछले कुछ दशकों में बढ़ते समुद्र स्तर और मीठे पानी के प्रवाह में कमी के कारण सुंदरबन में मिट्टी और पानी की लवणता बढ़ रही है। सुंदरी पेड़ अधिक लवणता सहन नहीं कर पाते, जिससे उनका विकास रुक रहा है और कई स्थानों पर ये पेड़ मर रहे हैं।

बांग्लादेश स्पेस रिसर्च एंड रिमोट सेंसिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि चांदपाई रेंज जैसे क्षेत्रों में सुंदरी पेड़ों का क्षेत्र 1988 में 16,000 हेक्टेयर से घटकर 2022 में 12,500 हेक्टेयर हो गया है। इन पेड़ों की जगह अब अधिक लवणता-सहनशील प्रजातियां, जैसे 'कांकरा' ले रही हैं। यानि ना केवल सुंदरबन के मूल पेड़ कम हो रहे हैं बल्कि इस पूरे वन का स्वरुप ही बदलता जा रहा है।

यह इसलिए एक बड़ी खतरे कि घंटी है क्योंकि सुंदरी पेड़ों के इर्दगिर्द यहां के जीव-जंतु और यहां रह रहे लोगों का पूरा संसार बसता है। मछली, मेंढक, कछुए इन पेड़ों के बीच अपने नवजात शिशुओं को जन्म देते है। सुंदरी पेड़ समुद्र से सटे गांवों को समुद्र की ऊँची लहरें और समुद्री आंधियों, चक्रवातों से बचाते हैं।

अब जलवायु परिवर्तन के कारण सुंदरबन में चक्रवातों की तीव्रता और आवृत्ति बढ़ रही है। अम्फान, 2020; यास, 2021; बिपरजॉय, 2023; ये चक्रवात सुंदरबन क्षेत्र में भारी नुकसान का कारण बने, जिससे जीवन और पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

सुंदरबन दुनिया के कुछ अलबेले प्राणियों का भी घर हैं जैसे की मछुआरी बिल्ली, खारे पानी वाले मगरमच्छ, ओलिव रिडले टर्टल और गंगा नदी डॉलफिन। गंगा नदी डॉल्फिन या जिन्हें 'सुसु' भी कहा जाता है, भारत के राष्ट्रीय जलीय जीव हैं।

1879 से प्राप्त अभिलेखों के अनुसार, मीठे पानी में रहने वाले ये स्तनधारी जीव बंगाल की खाड़ी से लेकर हिमालय की तराई तक तैरते थे। एक समय था जब ये सुंदरबन में आमरूप से देखे जा सकते थे परन्तु अब क्योंकि मौसम के परिवर्तन के चलते पानी की लवणता बढ़ रही हैं, इनके आवास सिमटते जा रहे हैं।

पर क्या खारे पानी के मगरमच्छ अपनी संख्या बढ़ा पा रहे हैं? दुर्भाग्यवश, नहीं। इन मगरमच्छों को भी जीवित रहने के लिए और प्रजनन के लिए मीठे पानी के क्षेत्र की आवश्यकता होती है। उच्च तापमान अंडों के इनक्यूबेशन पर प्रभाव डालता है, जिससे बच्चे मगरमच्छों के लिंग अनुपात में असंतुलन हो सकता है।

यदि अंडों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से कम होता है, तो अधिकतर मादा, और 33 डिग्री या अधिक तापमान पर अधिकतर नर मगरमच्छ बनते हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का अर्थ हैं केवल नर मगरमच्छ।

सुंदरबन एक ऐसी प्राकृतिक धरोहर हैं जिसे हम अपनी तकनिकी काबिलियत के बावजूद कभी कृत्रिम रूप से नहीं बना पाएंगे। पर इस बढ़ते संकट से अब भी जुझा जा सकता है। मैन्ग्रोव वनों का पुनरोपण और संरक्षण, कटाव और लवणता को नियंत्रित करने के लिए टिकाऊ जल और भूमि प्रबंधन, स्थानीय लोगों की भागीदारी आज उस वन को बचा सकते है जिसने सदियों से इस क्षेत्र को बचा कर रखा है।

मरु प्रदेश में जीवनदायी कल्पवृक्ष

जेठ (मई-जून) के महीने में जब राजस्थान में दूर-दूर तक कहीं कोई हरी वनस्पति नहीं दिखती, उस समय भी खेजड़ी का पेड़ हरा-भरा रहता है। अंग्रेजी में इसे प्रोसोपिस सिनेरिया के नाम से जाना जाता है। यह रेगिस्तानी इलाकों में भेड़ों, बकरियों, ऊंटों आदि के चारे के काम आता है। साथ ही खेजड़ी के पेड़ में लगने वाली फलियां जिन्हें सेंगरी कहते हैं, मारवाड़ इलाके में लोग इसकी सब्जी भी बड़े चाव से खाते हैं। खेजड़ी का पेड़ किसानों का दोस्त पेड़ है, जिससे उन्हें जलाऊ लकड़ी, जानवरों के लिए चारा और मोटे तने से इमारती लकड़ी हासिल होती है। इसके अलावा खेजड़ी के पेड़ जमीन के पोषक तत्वों को भी बनाये रखने में मददगार होते हैं, जिससे इन पेड़ों के इर्दगिर्द की जमीन में अच्छी उपज होती है। जहां तक इसके फलों की बात है तो एक जमाने तक तो ये जानवरों को खिलाने या मौसम में लोगों द्वारा सब्जी बनाने के काम में ही आते थे, मगर हाल के सालों में इसके तरह-तरह के औषधीय उपयोग शुरू होने के बाद इन सेंगरी या सांगरी फलियों को किसान बड़े आराम से 300 रुपये प्रतिकिलो में बेच देते हैं।

खेजड़ी के पेड़ को अलग-अलग जगहों में अलग-अलग नाम से जाना जाता है। कहीं इस पेड़ को छोंकरा, कहीं पर रियां, पंजाब में जंड, गुजरात में सुमरी या शमी, सिंध में कांडी और तमिल में वण्णि कहते हैं। भारत के अलावा खेजड़ी का यह पेड़ पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान और अरब देशों में पाया जाता है।

खेजड़ी का पेड़ सूखे में भी जिंदा रहता है, इसलिए यह मई, जून के महीने में जब हरा चारा खत्म हो जाता है, तब इसकी पत्तियां और डालियां जानवरों के लिए काम आती हैं। इसकी पेड़ की लकड़ी बहुत मजबूत होती है, इसलिए यह कई तरह के घरेलू काम में इस्तेमाल होती है। जब पहले कच्चे घर बनते थे तो खेजड़ी के पेड़ की शहतीर या धन्नी से घरों की छते पाटी जाती थीं। खेजड़ी के पेड़ में सांगरी या सेंगरी फल लगते हैं, जो छोटे-छोटे बीजों की फलियां होती हैं और लोग हरी और ताजी सेंगरी की फलियों की सब्जियां बनाते हैं, जबकि दूध देने वाली बकरियों और ऊंटनियों को इसे खिलाने से उसमें दूध बढ़ जाता है। इसके पेड़ की जड़ से पहले जब खेती हल बेल से होती थी तो उसके लिए हल बनाये जाते थे।

आमतौर पर किसी पेड़ के नीचे फसल नहीं होती, लेकिन खेजड़ी का पेड़ ऐसा है, जिसके नीचे चना, सरसों, मूली, कई तरह के तिलहन, अरहर, जौ और खरीफ की फसल के ज्वार व बाजरा जैसे अनाज का खूब उत्पादन होता है बल्कि खेत के दूसरे हिस्सों के मुकाबले जिधर खेजड़ी का पेड़ खड़ा होता है, वहां पैदावार ज्यादा होती है।

इस तरह देखें तो खेजड़ी का पेड़ किसानों के लिए कई तरह से मददगार है। आमतौर पर खेजड़ी का पेड़ ऐसी जगह में उग आता है या ऐसी जगहों में ही उगाया जाता है, जिन जगहों में बाकी पेड़ नहीं उगते और इस तरह यह बंजर जमीन पर भी हरियाली का वरदान देता है। लेकिन राजस्थान में खास तौर पर इस खेजड़ी की सांस्कृतिक और आर्थिक धरोहर है। शायद यही कारण है कि इसे मरु प्रदेश के कल्पवृक्ष की संज्ञा दी जाती है और साल 1983 से यह राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया जा चुका है। सर्दियों में जब ज्यादातर पेड़ों या वनस्पतियों को पाला मार जाता है और जेठ बैसाख के महीनों में चलने वाली लू के कारण वे सूख जाते हैं, तब भी खेजड़ी का पेड़ हरा-भरा और इन मौसमी थपेड़ों से बेपरवाह बना रहता है।

लेकिन पिछले तीन दशकों से खेजड़ी के पेड़ में एक खास तरह का संकट मंडरा रहा है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते खेजड़ी के पेड़ पर अब उसकी फलियां यानी सांगरी वैसी नहीं आती, जैसे पहले आया करती थीं। साथ ही ये पेड़ लगातार सूख रहे हैं, जिसका कारण ग्लोबल वार्मिंग के चलते राजस्थान के क्षेत्र में पैदा हुए कई तरह के खतरनाक कीट हैं। बीकानेर स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर हार्टीकल्चर के शोध के मुताबिक हाल के सालों में एक नई तरह की फफूंदी के संक्रमण के चलते खेजड़ी के पेड़ बीमार पड़ रहे हैं। स्काब्रेटोर नामक एक जड़ छेदक कीट खेजड़ी के पेड़ों को कमजोर कर रहा है।

वास्तव में खेजड़ी के पेड़ समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन्हें मौसम की मार से बचाना होगा।

शांति और सौहार्द से मनाया जाएगा होली त्योहार

नशे के हालत में वाहन चलाने वाले पर सख्त कार्यवाही के निर्देश

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
मैहर, मैहर थाना प्रांगण में एसडीएम विकास सिंह एवं सीएसपी राजीव पाठक की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आगामी विभिन्न त्योहारो को देखते नगर वासियों एवं सभी समुदाय के लोगों से शांति पूर्ण ढंग से पर्व मनाने की अपील की है। इस दौरान होली, ईद उल फितर एवं विभिन्न त्योहारो में होने वाले आयोजन की जानकारी ली गई। होली के पर्व पर होलिका दहन नगर सभी चौक चौराहा में आयोजन किया जाता है। जिसको लेकर सभी लोगों से सुरक्षित एवं शांति पूर्ण ढंग होलिका दहन करने की अपील की गई ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। नगर पालिका को पानी की सप्लाई, पानी के टैंकर एवं साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बोर्ड परीक्षाओ को ध्यान में रखते हुए ध्वनी विस्तारक यंत्रो डीजे लाउड स्पीकरो पर शासन के निर्देशों का पालन करते हुए पूर्णत: प्रतिबंधित किए गया है। होली के त्योहार के दौरान सभी लोग रासायनिक रंगों की अपेक्षा प्राकृतिक रंगों का उपयोग सुनिश्चित करे। आयोजक समितियां किसी भी प्रकार के आयोजन एवं जुलूस की जानकारी संबंधित थाने एवं प्रशासनिक अधिकारी को अवश्य दे ताकि बैंक चौक, अम्बेडकर चौराहे निगरानी रखी जाएगी। साथ ही पुलिस की पांच पैट्रोलिंग पार्टी का गठन किया गया है जो कि मैहर के शहरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में लगातार पैट्रोलिंग की जाएगी। बैठक में नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी घटना दुर्घटना की जानकारी पुलिस एवं संबंधित अधिकारी को तत्काल दे एवं किसी भी प्रकार के वाद विवाद के बचे। किसी भी परिस्थिति में कानून को हाथों में ले।इस बैठक में एसडीएम विकास सिंह, नगरपुलिस अधीक्षक राजीव पाठक, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, दिलीप त्रिपाठी, सूर्यप्रकाश चौरसिया, नितिन ताम्रकार, नीरज गर्ग, जितेंद्र पांडे, जितेन्द्र सिंह होरा, सनत गौतम, प्रभात द्विवेदी अरुण तनय मिश्रा, हबीब खान, हाजीमुनीर, हाजी सलीम एवं डीजे संचालक सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

होली व रमजान पर्व को लेकर थाने में आयोजित हुई शांति समिती कि बैठक

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देशन पर पुलिस थाना लालबर्रा में 10 मार्च दिन सोमवार को शाम 5बजे से शांति समीति कि बैठक आहूत हुई जिसमें अरविंद चौधरी एसडीओपी वारासिवनी, कन्हैयालाल टेकाम तहसीलदार लालबर्रा,मौसम बिसेन जिला महामंत्री भाजपा,श्रीअनीश खान सरपंच ग्राम पंचायत पांढ़रवानी व विधायक प्रतिनिधि जिला पंचायत बालाघाट,झामसिंह नागेश्वर सभापति जिला पंचायत बालाघाट,किशोर पालीवाल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लालबर्रा व सुनील चतुर्वेदी थाना प्रभारी लालबर्रा व सहित अन्य लोगों कि उपस्थिति में बैठक प्रारंभ हुई जिसमें उपस्थित सभी लोगों से आगामी त्यौहारों को लेकर विचार-विमर्श किया गया जिसमें 13 मार्च को होलिका दहन व 14 मार्च को धुलेड़ी तथा माहे रमजान पर्व शामिल रहे हैं जिसको लेकर उपस्थित लोगों ने अपने अपने सुझाव दिए तथा थाना प्रभारी ने सभी लोगों के सुझाव को सुना तथा सुनकर भविष्य में अमल पर लाने कि बात कही वहीं उपस्थितों ने शहर कि यातायात व्यवस्था को लेकर हर बार कि तरह फिर से अपनी बात रखी गई है। वहीं अभिषेक चौधरी एसडीओपी वारासिवनी ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों को शासन कि गाईडलाइन के नियमों से अवगत कराये तथा रात्रि 10 बजे तक हि साउंड बजाने कि बात कही तथा होली पर्व को शांति से मनाने का निवेदन किये तथा क्षेत्र में किसी भी प्रकार कि अशांति ना फैले इस पर भी सहयोग कि बातें कही गई है, तथा असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही कि बातें भी कहीं गई है। वहीं थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों से सहयोग कि बातें करते हुए कहे कि हमारा हर बार यही प्रयास रहेगा है कि आगामी दिनों में समन्न होने वाले सभी पर्व शांति रूप से निपटे किसी भी प्रकार कि वाद विवाद कि स्थिति निर्मित ना हो,इसके पहले ऐसी व्यवस्था बन जाए हम उनको समुचित व्यवस्थाएं पुलिस प्रशासन के तरफ से होना है। वहीं इस दौरान प्रसन्न अवधिया मंडल अध्यक्ष भाजपा, विरेन्द्र बनवाले सरपंच ग्राम पंचायत पनबिहरी,बालकृष्ण पंचेश्वर जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि,डां.अरुण पंचेश्वर सरपंच बेलगांव,मोहन गौतम सरपंच बबरिया,अय्युब भारती, देवेन्द्र अवधिया,प्रशांत जैन,मनोज यादव,राकेश अवधिया,संजीव अवधिया, कमलेश चौधरी, ब्रजेश केकती, सपन खोबरागड़े, शेख फिरोज, लोकेश कावरे, सागर मेहरबान, कैलाश गिरी गोस्वामी, भोजराज पटले, वहीं पत्रकार साथियों में जितेन्द्र बिसेन, कमलेश खरोले, राजा मसीकर ,लकेश पंचेश्वर व शरद धानेश्वर सहित अन्य और भी लोग उपस्थित रहे हैं।

आगामी त्यौहार को लेकर पुष्पराजगढ़ में निकाला गया फ्लैग मार्च... सुरक्षा व्यवस्था हुई मजबूत

पुष्पराजगढ़, आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से थाना राजेंद्रग्राम, थाना करनपठार, थाना अमरकंटक के पुलिस बल ने संयुक्त रूप से राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र में एसडीओपी पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने मुख्य बाजार, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर आमजन को सुरक्षा का एहसास दिलाया। इस दौरान अधिकारियों ने जनता से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

एसडीओपी पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी ने बताया कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने, कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी आपत्तिजनक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

त्यौहारों के दौरान छेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

होली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए यातायात पुलिस का सघन चेकिंग अभियान हुआ प्रारंभ

तीन सवारी, रफ ड्राइविंग, ड्रिंक एंड ड्राइव करने वालो पर कार्यवाही करने के पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने दिए निर्देश

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशअनुसार यातायात पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान प्रारंभ किया गया है, जो आज से होली तक चार दिन सतत रूप से जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य शराब के नशे में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के कारण होने वाले एक्सीडेंट को रोकना, तीन सवारी और रफ ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही कर अंकुश लगाना है।
इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध नंबर प्लेट एवं हूटर के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में फोर व्हीलर वाहनों के बोनट खुलवाकर कर चेकिंग की जा रही है ,आज एक फोर व्हीलर वाहन में हूटर लगा पाया गया, जिसके विरुद्ध कार्रवाई करते हुए ?3000 का जुर्माना लगाया गया। ओवर स्पीड पर अंकुश लगाने के लिए लगातार इंटरसेप्टर व्हीकल से चेकिंग की जा रही है ।विगत दिवस पांच फोर व्हीलर वाहन पर कार्रवाई की गई, बिना ना प्लेट के 5 वाहनों पर कार्यवाही की गई।
- यातायात पुलिस अनूपपुर

क्षेत्र में बढ़ती चोरी व अन्य अपराधों को लेकर पत्रकारों ने थाना प्रभारी से की चर्चा

थाना प्रभारी ने कहा... कबाड़ी वालों सहित गांजा,शराब और अनैतिक काम करने वालों पर करेंगे कार्रवाई

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात बढ़ रही है एवं अन्य नंबर 2 के काम करने वाले माफिया भी बेखौफ होकर बिना पुलिस के डर से कई अनैतिक काम क्षेत्र में कर रहे हैं। कुछ मामलों पर पुलिस कार्रवाई भी करते आ रही है,अनेक वारदातों के पुलिस ने खुलासे भी कर चुकी है लेकिन कुछ वारदातों के खुलासे नहीं हो पाए या तो कुछ अनैतिक काम पुलिस को पता नहीं है या फिर पुलिस का अनैतिक काम करने वाले माफियाओं से मधुर संबंध होते हुए संरक्षण प्राप्त हो सकता है। कभी-कभी तो जिम्मेदार प्रशासन कुछ मामलों में गरीबों पर सितम- अमीरों पर रहम जैसा भी व्यवहार करते हैं। मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामों में लगातार बढ़ रही चोरियां चाहे वह गाड़ी हो या पानी के मोटर पंप हो वह कबाड़ खानों में आसानी से बिक रही है। ऐसी जानकारी मीडिया कर्मियों को भी कुछ दिनों से लग रही है जिसकी पड़ताल करने एक कबाड़ दुकान में मीडिया कर्मी पहुंचे,
इसके बाद मीडिया कर्मी का पूरा समूह लालबर्रा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी से विस्तृत चर्चा की जिस पर उन्होंने आश्वस्त तो करवाया है कि चाहे कबाड़ वाले हो या गांजा वाले,अवैध शराब बेचने वाले, या कोई भी अन्य अनैतिक गतिविधि को अंजाम देने वाले किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और शिकायत मिलेगी तो सब पर विधिवत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिले के विकास कार्य में सभी अधिकारियों की समान जिम्मेदारी- कलेक्टर

कलेक्टर ने वन विभाग के बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि जिले के विकास कार्य में वन विभाग तथा अन्य संबंधित विभाग के अधिकारियों की समान जिम्मेदारी है। सभी अधिकारी आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए वन विभाग के लंबित प्रकरणों का निराकरण पूरे गंभीरता के आधार पर कराएं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समय-समय पर वन विभाग में लंबित प्रकरणों का रेगुलर फॉलोअप लेकर समय में विकास कार्यों को गति दें। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में वन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देशित कर रहे थे।
बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री विपिन कुमार पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ श्री महिपाल सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी वन श्री अंशुल तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर श्री सुधाकर सिंह बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोतमा श्री अजीत तिर्की सहित राजस्व, वन तथा विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।
बैठक में कलेक्टर ने वन विभाग के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को समय-समय पर अपडेट किया जाए, जिससे लंबित प्रकरणों की स्थिति का पता चल सके तथा जिला प्रशासन के अधिकारी एवं वन विभाग के अधिकारी विकास कार्यों हेतु चिन्हित भूमि का मौके पर संयुक्त भ्रमण कर निरीक्षण करें तथा भूमि अनुपयुक्त है तो दूसरी भूमि चिन्हित कर विकास कार्यों को गति दें। बैठक में कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, जनमन योजना, विद्युत विभाग, नगर पालिका, राजस्व विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अंतर्राज्यीय तस्कर से 07 लाख पचास हजार रुपये की 76.62 ग्राम स्मैक जप्त, आरोपी गिरफ्तार

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, अवैध मादक पदार्थ का धंधा करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक यशपालासिंह राजपूत के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लाखों रुपये की स्मैक बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालापीपल पुलिस को 09 मार्च 2025 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति होण्डा शाईन मोटर साइकल से चाकरोद तरफ से कालापीपल सोयाबीन प्लांट के पास वाले कच्चे रास्ते से अवैध मादक पदार्थ स्मैक लेकर जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई कर कालापीपल पुलिस द्वारा सोयाबीन प्लांट के पास वाले कच्चे रास्ते पर पहुंच कर संदेही हरिबक्श पिता अमरसिंह तंवर उम्र 26 साल निवासी ग्राम डोब थाना भोजपुर जिला राजगढ़ को घेराबंदी कर रोका और तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध मादक पदार्थ स्मैक वजन 76.62 ग्राम बरामद हुई जिस पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से जप्त की गई स्मैक की कीमत करीब 07 लाख 50 हजार रुपये है। आरोपी राजस्थान से अवैध स्मैक लाकर मध्यप्रदेश में बेचता था। आरोपी की धरपकड़ में थाना प्रभारी थाना कालापीपल निरीक्षक मनोहरसिंह जगेत, उप निरीक्षक रवि भण्डारी, उप निरीक्षक तेजप्रकाश बोहरे, सउनि मुनेश्वर भगत, प्रआर विवेक गोस्वामी, प्रआर विशाल पटेल, प्रआर रामेश्वर जाटव, आरक्षक वेदप्रकाश परमार, आरक्षक नयन यादव, आरक्षक सुमित पटेल, आरक्षक अभिषेक, आरक्षक ओमप्रकाश वर्मा की मुख्य भूमिका रही।

सांस्कृतिक जागरूकता रैली एवं पुरस्कार वितरण के साथ रासेयो शिविर संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। यह शिविर मेरा युवा भारत के लिए युवा एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा थीम पर आधारित रहा, जो ग्राम गिरवर में आयोजित किया गया था। शिविर के दौरान गांव में सातों दिवस स्वच्छता जागरुकता, बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा, स्वरोजगार, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, स्वास्थ्य शिविर जैस जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम किए गए। समापन के दिन प्रातःकाल में स्वयंसेवकों ने ग्राम में सांस्कृतिक रैली निकाली, जिसमें रासेयो के गीत गाए गए। वहीं समापन में अतिथियों को रासेयो परेड एवं सांस्कृतिक वेश भूषा में स्वागत कर मंच पर लाया गया जहां एक से बढक़र एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इस मौके पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विपुल कसेरा रहे, जिन्होंने कहा कि रासेयो केवल एक कार्यक्रम या अध्ययन-अध्यापन से हटकर श्रमदान करने का विचार मात्र नहीं है, बल्कि यह एक परंपरा है जो सुशिक्षित युवाजन के साथ सामुदायिक सक्रियता की गति को आगे बढ़ाती है। अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने कहा कि रासेयो महाविद्यालयीन जीवन का महत्वपूर्ण अंग है जो महाविद्यालय छवि को उज्जवल करता है। विशेष अतिथि के रूप में महाविद्यालय जनभागीदारी समिति सदस्य प्रमोद कुशवाह, शुभमसिंह ठाकुर, अंकित नागर, महाविद्यालय के डॉ वीपी मीणा मंचासीन रहे। सत्र में शिविर प्रतिवेदन इकाई एंबेसेडर रवि कुमार ने प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम के अंत में रासेयो शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिए गए। शिविर में बीती रात्रि में कैंप फायर भी किया गया। शिविर स्थल से लौटते समय शिविर नायक भवानीसिंह ने रासेयो शिविर झंडा सौंपा और शिविर समाप्त किया।

संभागायुक्त ने किया सिंहस्थ 2028 को लेकर रेलवे स्टेशन मक्सी का निरीक्षण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता ने उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ 2028 के लिए शाजापुर जिले के मक्सी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने मक्सी रेलवे स्टेशन की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए दोनों प्लेटफार्म से नेशनल हाईवे को जोडऩे के लिए सर्विस रोड़ का निर्माण करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी सहित अन्य अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होने कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 को दृष्टिगत रखते हुए सर्विस रोड के लिए जगह चिन्हांकित कर रिपोर्ट दें। इस दौरान मक्सी में बनाए जा रहे सेतु का भी निरीक्षण किया और सेतु निर्माण विभाग के अधिकारी को समयसीमा में गुणवत्तायुक्त सेतु निर्माण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मक्सी रेलवे स्टेशन मास्टर गोविन्द यादव ने रेल गाडियों की आवाजाही आदि के बारे में संभागायुक्त को अवगत कराया। इस अवसर पर उपायुक्त राजस्व उज्जैन संभाग रणजीत कुमार, सहायक कलेक्टर शिवम यादव, अपर कलेक्टर भुरलासिंह सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनीषा वास्कले सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

पनवाड़ी एवं सुनेरा में राजस्व शिविरों का निरीक्षण संभाग आयुक्त उज्जैन गुप्ता ने जिले के ग्राम पनवाड़ी एवं सुनेरा में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर लिंकिंग एवं ई-केवायसी के शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होने जिले के राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि जब तक जिले के समस्त ग्रामों का फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर लिंकिंग, ई-केवायसी कार्य शत प्रतिशत पूर्ण ना हो, तब तक अभियान नियमित चलते रहे। उन्होने किसानों से अनुरोध किया कि वे स्वयं भी फार्मर पंजीयन कराएं जिससे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

कबीर फाउंडेशन ने किया राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कबीर फाउंडेशन के तत्वाधान में राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खेल, सामाजिक गतिविधि, प्रशासनिक क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाली नारी शक्ति का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अतिथि देवास शाजापुर लोकसभा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, क्षेत्रीय विधायक अरुण भीमावद, तराना विधानसभा विधायक महेश परमार, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ रवि पांडे, अखिल भारतीय समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोहनलाल वर्मा, पद्मश्री कालूराम बामनिया, पद्मश्री भेरूसिंह चौहान रहे, जिन्होने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एवं राष्ट्र माता सावित्रीबाई फुले की चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में पंचक मार्शल आर्ट की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लक्ष्मी मालवीय जो कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पांच गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं और भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ स्लोगन की मध्य प्रदेश के ब्रांड एंबेसडर हैं उनका सम्मान कबीर फाउंडेशन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सोलंकी ने कहा कि महिला दिवस के पर आज हमें मातृ शक्तियों को बराबर का दर्जा देने की आवश्यकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे को आगे ले जाते हुए समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना होगी, ताकि वह आगे बढक़र परिवार समाज और देश का नाम रोशन कर सकें। क्षेत्रीय विधायक भीमावद ने कहा कि सामाजिक समरसता को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ में लेकर महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाना होगा। विधायक महेश परमार ने कहा कि नारी शक्ति को केवल बोलने से सम्मान नहीं प्राप्त होता, अपितु समाज को उन्हें बराबर की भागीदारी और सम्मान देना होगा तभी हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपने को साकार कर पाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ रवि पांडे ने कहा कि सनातन संस्कृति में प्राचीन काल से ही मातृशक्ति को सम्मान देने की परंपरा रही है और यह परंपरा आज भी हमारी सनातन संस्कृति में कायम है और आगे भी हमेशा कायम रहेगी। कबीर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीपसिंह बामनिया ने कहा कि नारी शक्ति का सम्मान मां शक्ति के सम्मान के बराबर ही होता है, केवल नवरात्रि में 9 दिन माता की आराधना करने से हम नारी को सम्मान नहीं दे सकते। हमें सदैवे उनके लिए आदर और सम्मान का भाव रखना चाहिए। यह कार्यक्रम केवल नारी शक्ति सम्मान के लिए नहीं, समस्त नारी शक्ति के लिए समाज में प्रेरणा उत्पन्न हो इसलिए आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम को पद्मश्री भेरूसिंह चौहान और पदम कालूराम बामनिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में गीता पराग सास बहू की जोड़ी और दुर्गा मालवीय के द्वारा सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी गई। मंचासीन अतिथियों के द्वारा राष्ट्रीय खेलों में पदक प्राप्त रानी नायक, रीता अगरिया, महक बामनिया, मेघा परमार सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत नारी शक्ति को सम्मानित किया गया। संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल मालवीय ने किया तथा आभार नारायण सिंह मालवीय ने माना।

पर्यावरण प्रेमी शशांक जैन ने कहा

होली के दिन टेसू के फूलों का फिर से इस्तेमाल करना शुरू करे सभी लोग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद । सहारनपुर, देवबंद के पर्यावरण प्रेमी शशांक जैन और गौरव सिंघल का कहना है कि एक समय था जब होली खेलने के लिए टेसू के फूल से बने रंग और गुलाल बाजारों में मिलते थे। यह रंग औषधि के समान थे।होली के दिन टेसू के फूलों को पानी में भिगोकर उसके पानी से नहाने की परंपरा थी। वर्तमान में यह परंपरा कम दिखाई देती है। फाल्गुन माह में टेसू के फूलों का महत्व बढ़ जाता है। यह फूल त्वचा रोग के लिए औषधि तुल्य माने गए हैं। मान्यता है कि होली के बाद चिकिनपाक्स और अन्य त्वचा रोग फैलते हैं। होलिका दहन के दिन रात को घरों में टेसू के फूल बड़े बर्तन में पानी में भिगो दिए जाते थे। परिवार के बड़े-बूढ़े बच्चे रंगों से होली खेलने के बाद घरों पर पहुंचते थे तो टेसू के पानी से नहाते थे, लेकिन आधुनिक युग में टेसू के फूल का महत्व भले ही कम न हुआ हो, लेकिन इसका उपयोग कम हो गया है। इससे बने रंग और गुलाल अब बाजारों में नहीं मिलतें। इसका स्थान रसायनिक रंगों ने ले लिया है। देवबंद के पर्यावरण प्रेमी शशांक जैन और गौरव सिंघल ने देश के लोगो से होली के दिन टेसू के फूलों का फिर से इस्तेमाल करने की अपील की है।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ नागल । सहारनपुर, सीडकी-झबरेड़ा मार्ग पर नीलगाय की टक्कर लगने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना जनकपुरी के गांव संभालका जुनारदार निवासी दीपक कुमार (31) पुत्र स्वराज सिंह क्षेत्र के गांव रणमलपुर में अपनी बहन के यहां आया हुआ था। लौटते समय जब वह सीडकी-झबरेड़ा मार्ग पर शनि देव मंदिर के निकट पहुंचा तो उसकी बाइक के सामने एक नीलगाय आ गई। जिससे वह टकरा गया। घायलावस्था मे उसे सीएचसी लाया गया जहां पर मृत घोषित कर दिया गया।

दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की हुई मौत

एक बच्चे सहित दो लोग हुए गंभीर रूप से घायल, घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेजा गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर (छुटमलपुर), सहारनपुर जनपद के बिहारीगढ़ थाना क्षेत्र के गांव समसपुर में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी फतेहपुर से जिला अस्पताल भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा समसपुर गांव में रामलीला मैदान के पास हुआ। गांव शहजादपुर ढालवाला का सादान (18) पुत्र इमरान अपने साथ गांव के ही उमेर (8) पुत्र वसीम के साथ ताल्हापुर की तरफ से आ रहा था कि उसकी टक्कर सामने से आ रहे बाइक सवारों से हो गई। हादसे में सादान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उमेर तथा दूसरी बाइक सवार गुलशन (30) पुत्र नसरुद्दीन और साजिद पुत्र शकूर निवासी खिड़का भटकव्वा संसारपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे परिजन सादान के शव को अपने साथ घर ले गए जबकि ग्रामीणों की मदद से तीनों घायलों को फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया। सीएचसी पर चिकित्सकों ने गुलशन को मृत घोषित कर दिया। जबकि साजिद और उमेर को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस की सूचना पर मृतक के परिजन और ग्रामीण फतेहपुर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि गुलशन अपनी ससुराल जा रहा था कि हादसे का शिकार हो गया। गुलशन छुटमलपुर में फलों की रेहड़ी लगाता था। उसके एक डेढ़ साल की बेटी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति : 3 लाख करोड़ का निवेश

सस्ती बिजली और रोजगार की उम्मीद

राजीव खरे । सिटी चीफ रायपुर, छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्षेत्र को नया आयाम देने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रायपुर में आयोजित 'छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट' में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की। इस निवेश से राज्य में परमाणु, थर्मल, सौर और पंप्ड स्टोरेज जैसी ऊर्जा परियोजनाओं को नई दिशा मिलेगी, जिससे न केवल उद्योगों को फायदा होगा बल्कि आम जनता को भी सस्ती और निर्बाध बिजली मिलेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समिट के दौरान कहा, छत्तीसगढ़ सिर्फ कोयला और खनिजों के लिए नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। यह निवेश हमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देगा।

बड़े निवेश और नई परियोजनाएं

1. परमाणु ऊर्जा- पहली बार छत्तीसगढ़ में 4200 मेगावाट क्षमता की परमाणु ऊर्जा परियोजना शुरू होगी, जिसमें 80,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।
2. थर्मल पावर- 1.07 लाख करोड़ रुपये के निवेश से नई ताप विद्युत परियोजनाएं लगेंगी, जिससे छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख पावर हब में शामिल होगा।
3. सौर ऊर्जा- हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये की लागत से 2500 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।
4. पंप्ड स्टोरेज- 57,046 करोड़ रुपये की लागत से 8700 मेगावाट की पंप्ड स्टोरेज परियोजनाएं लगाई जाएंगी, जो बिजली ग्रिड को स्थिर और कुशल बनाएंगी।

रोजगार और उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा इस ऐतिहासिक निवेश से छत्तीसगढ़ में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। ऊर्जा की अधिक उपलब्धता से राज्य में नए उद्योगों की स्थापना को बल मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

किसानों और आम उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। सौर और पंप्ड स्टोरेज ऊर्जा संयंत्रों से राज्य में 24×7 निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली कटौती की समस्या खत्म होगी।

छत्तीसगढ़ को ऊर्जा हब बनाने की तैयारी राज्य सरकार ने संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ देशभर के राज्यों को बिजली निर्यात करने की स्थिति में होगा। इससे राज्य को अतिरिक्त राजस्व भी मिलेगा, जिसे बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास परियोजनाओं में लगाया जाएगा।

इस निवेश सम्मेलन के जरिए छत्तीसगढ़ ने यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ खनिज संसाधनों पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह राज्य के आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आज दिनांक 8/3/25 को आदर्श ग्राम सतगांव में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था कंचन वेलफेयर सोसाइटी शाजापुर द्वारा आयोजित किया गया

शाजापुर कार्यक्रम शुभआरंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती केतल पटेल जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, विष्णु प्रसाद नागर जिला समन्वयक जन अभियान परिषद प्रमिला जी मोहडकर,अमिता माथुर पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास शाजापुर, मधु कांत दवे महिला मोर्चा भाजपा नगर उपाध्यक्ष नगर अध्यक्ष श्रीमान संजय पाटीदार सतगांव सरपंच ,श्रीमान शंकर जी गोयल उपसरपंच ,श्रीमान मनोहर चौधरी पंच ,जितेंद्र जी राजपूत पंच श्रीमती भगवती देवी सोनल नायक सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, पूजा पाटीदार कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर, तोमर ,गायत्री वर्मा सचिव कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसायटी उपस्थित रही , कार्यक्रम का संचालन करते हुए विकासखंड समन्वयक बसंत रावत द्वारा कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की गई इसके पश्चात कंचन वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक नवीन वर्मा द्वारा ग्राम में संस्था द्वारा आदर्श ग्राम के लिए किए जा रहे कार्यों का वाचन किया गया । कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के परामर्शदाता उमा बरेठा , राजेश्वरी उदासी, छात्र तृप्ति सोनी, ने महिला दिवस पर अपने विचार रखे, कार्यक्रम में मंच पर विराजित, मधु जी, प्रमिला जी,अमिता माथुर पूजा पाटीदार ने अपने विचार रखे इसके पश्चात श्री संजय पाटीदार जी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया , जिला समन्वयक विष्णु प्रसाद नागर जी द्वारा महिला दिवस पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज महिला हर विद्या में पुरुष के समान ही अपनी भूमिका निभा रही हे एवं जन अभियान परिषद का उद्देश्य भी महिलाओ को उचित मंच उपलब्ध कराने का हे । मुख्य अतिथि श्री केतल जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि महिला विश्व की प्रथम पूजनीय है जिसमें संसार के सभी स्वरूप का समावेश हे ,आज हमारे देश के प्रधानमंत्री जी द्वारा नारी सम्मान योजना,लाडली बहन योजना एवं कई प्रकार की योजना चला कर महिलाओं को आगे बढ़ाया जा रहा हे । केतल जी द्वारा कहा की महिला दिवस पर माता बहनों का हार्दिक अभिनंदन है स्वागत करती हूं साथ ही आज इस पावन दिन पर जो यह कार्यकम किया जा रहा हे इस सभी बंधुओं का भी अभिन्नदन करती हु जिन्होंने इतना अच्छा आयोजन महिलाओ के लिए किया । कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा 10 महिला को शाल श्री फल से सम्मानित किया गया उसके पश्चात ग्राम की गरीब वृद्ध 25 महिलाओं को भेंट स्वरूप कंबल अतिथि के हाथों प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू के छात्र अभिषेक,सुगन,बाई,अंतिम शर्मा,बाबू लाल,हरीश,बुलबुल,अभिषेक ओर परामर्शदाता महेंद्र वर्मा उपस्थित रहे ।कार्यकम का संचालन बसंत रावत ने किया आभार नवीन वर्मा ने किया ।

भोपाल जिले में 5 स्थानों पर मियाबाकी तकनीक से विकसित किए जाएंगे जंगल

भोपाल

कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आगामी समय में वृक्षारोपण के लिए स्थानों का चिन्हांकन के संबंध में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों के लिए वृक्षारोपण के टारगेट के अनुरूप स्थानों का चिन्हांकन एवं तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। भोपाल जिले में ग्राम पंचायत फंदा एंव जनपद पंचायत बैरसिया में लगभग 121 स्थानों पर लगभग 50 हजार से अधिक एवं नगर निगम भोपाल द्वारा 7 से 8 स्थानों पर लगभग डेढ़ लाख से अधिक पौधारोपण किया जाएगा जिसके अंतर्गत ग्राम कजलीखेड़ा, आदमपुर छावनी लैंड फिल साइट, जंबूरी मैदान, बीएचएचईएल प्लाटेंशन साइट की गैप फिलिंग, कलियासोत नदी के किनारे दोनो तरफ, कैरिया कॉलेज के पीछे, सूरज नगर, बड़ा तालाब, छोटा तालाब के समीप, एयरपोर्ट क्षेत्र में, पक्षी विहार काली बाड़ी, बरखेड़ा पठानी, भानपुर नाले से लगकर, छोटा तालाब डांडी पार्क, प्रियदर्शिनी पार्क, लहारपुर डेम के पास, चिरायु के सामने भैसाखेड़ी एवं पुलिस ट्रेनिंग अकेडमी भौंरी कान्हा सैंया में वृक्षारोपण किया जाएगा। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से भोपाल जिले में मियाबाकी तकनीकी से जंगल विकसित किए जाएंगे। बैठक में राम आस्था मिशन फाउंडेशन के द्वारा भोपाल जिले के 5 स्थानों पर मियाबाकी तकनीक से घने जंगल विकसित करने के लिए भोपाल एयरपोर्ट क्षेत्र कलिया सोत, केरवा डेम, बैरसिया की ग्राम पंचायत बरीखेड़ा एवं सूखी सेवनिया की गौशालाओं के स्थान का चिन्हांकन किया गया है। श्री आस्था फाउंडेशन के द्वारा मियाबाकी तकनीकी के ईंडियन वर्जन के अंतर्गत शहर के गीले कचरे, तालाब से निकलने वाली जल कुंभी, मंदिरों से निकलने वाले फल-फूलों के वेस्ट, गौशालाओं के जैविक खाद मृत पशुओं के शरीर का उपयोग कर जंगल विकसित किए जाएंगे। इस अवसर पर श्री राम आस्था मिशन फाउंडेशन श्री तन्मय जैन , सेवानिवृत्त आईएफएस श्री रामेश प्रसाद सिंह, रिटा. कर्नल हेमंत कक्कड़, डॉ. श्रद्धा अग्रवाल द्वारा मियाबाकी तकनीक से विकसित किए जाने वाले जंगल की विस्तृत जानकारी का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, श्री भूपेंद्र गोयल, श्री अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भू अभिलेख प्रक्रिया अनुसार पटवारियों से ई डायरी संधारण सुनिश्चित करवाया जाएः सीईओ जिला पंचायत श्री सौजान सिंह रावत

नर्मदापुरम

जनसुनवाई, समय सीमा, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करे सभी जिला अधिकारी

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुई समय सीमा की बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सीईओ श्री रावत ने जनसुनवाई, समय सीमा के प्रकरण, उच्च न्यायालय के अवमानना प्रकरण, समय सीमा बाह्य प्रकरण सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। सीईओ श्री रावत ने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया है कि मध्य प्रदेश भू अभिलेख नियमावली के अनुसार सभी पटवारी से ई डायरी मेंटेन करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की टेक्निकल समस्या के लिए परीक्षण के तौर पर किसी पटवारी की आईडी तैयार करवा कर उसकी जांच कर लें। उन्होंने कहा कि सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ समग्र पोर्टल पर समग्र आईडी की ई केवाईसी किए जाने की कार्यवाही अभियान मोड में करवाएं। उन्होंने समस्त जिलाधिकारीयो को निर्देश दिए की समय सीमा के प्रकरणों में आवश्यक रूप से जवाब अद्यतन किए जाए तथा इसकी सूचना भी संबंधित ओआईसी को दी जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने उच्च न्यायालय में लंबित अवमानना के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समस्त जिलाधिकारीयो को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों को गंभीरतापूर्वक लेते हुए समय पर इनमे जवाब दाखिल करें। श्री रावत ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें की जनसुनवाई से संबंधित 6 माह से ज्यादा समय से लंबित पड़े प्रकरण अगले एक सप्ताह में निराकृत करें। इसी के साथ सीईओ श्री रावत द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने सीएमएचओ नर्मदापुरम को निर्देश दिए कि वह वीसी के माध्यम से सभी बीएमओ के साथ बैठक लें एवं समस्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए प्रत्येक शिकायत को ध्यान पूर्वक पढ़ें। उन्होंने कहा कि इसी के साथ सभी अधिकारी भी यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग अंतर्गत लंबित सभी शिकायतों का गंभीरतापूर्ण अध्ययन कर ले। श्री रावत ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल एक फीडबैक सिस्टम है इससे आप सभी अधिकारियों को विभाग से जुड़ी समस्याएं ज्ञात हो जाती है। पोर्टल के द्वारा यह सुनिश्चित हो जाता है कि किस ब्लॉक अथवा तहसील में किस प्रकार की दिक्कत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के सकारात्मक पहलू को समझें। समय सीमा की बैठक के दौरान सीईओ श्री रावत ने सभी जिलाधिकारी को निर्देश दिए की कोई भी शिकायत एल 1 स्तर पर सात दिवसों से अधिक ना रखें। शिकायतों में नियमित रूप से जवाब दर्ज किया जाए साथ ही अगर शिकायत दूसरे विभाग से संबंधित है तो उसे त्वरित रूप से ट्रांसफर भी कर दिया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष फोकस किया जाए। समस्त सीएमओ 90 प्रतिशत से अधिक निराकरण प्रतिशत के साथ शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। समयसीमा बाह्य प्रकरणों को भी अधिकारी गंभीरतापूर्वक एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करें। सीईओ श्री रावत ने निर्देशित किया कि जिले में संचालित की जा रही 10 वी एवं 12 वी की बोर्ड परीक्षाओं के लिए रेमेडियल कक्षाएं सुचारू रखी जाए साथी फ्लाइंग स्क्वैड्स भी परीक्षा केंद्रों का नियमित रूप से भ्रमण करते रहे। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए की आगामी दिवसों में कक्षा पांचवी एवं आठवीं की कॉपियो का मूल्यांकन जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों पर किया जाएगा इसीलिए केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाए। बैठक के दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की समीक्षा की। उन्होंने सभी सीएमओ और सीईओ को निर्देश दिए कि अभियान चलाकर स्टेट पोर्टल के डेटा अनुसार कार्ड बनाए जाए। उन्होंने ईई लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को निर्देश दिए की जल जीवन मिशन के तहत एफएचटीसी के लिए बचे हुए कनेक्शनो में शीघ्र ही कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समस्त एसडीएम को निर्देशित किया कि आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान जल संकट से निपटने के लिए प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के निर्देश अनुसार प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। पंचायतवार ऐसे हैंडपंप की रिपोर्ट तैयार करें जो ग्रीष्मकल के समय सूख जाते है साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाए कि ब्लॉक लेवल पर हैंडपंप सुधारने के लिए संबंधित एजेंसियो से भी समन्वय स्थापित कर लिया जाए। जिला पंचायत सीईओ श्री रावत ने निर्देशित किया कि अभियान चलाकर आईटीआई में छात्राओं के प्रवेश को बढ़ाया जाए। साथ ही उन्होंने सभी सीएमओ एवं सीईओ को पीएम इंटर्नशिप योजनान्तर्गत 21 से 24 वर्ष के छात्र छात्राओं के लक्ष्य अनुरूप पंजीयन पोर्टल पर करवाए जाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा की आगामी त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रयास करे की होली जलाने के लिए अधिक से अधिक गोकाष्ठ का ही उपयोग किया जाए। इसके लिए शासकीय गौशालाओं से गोकाष्ठ की पूर्ति भी की जा सकती है। साथ ही सभी एसडीएम/सीएमओ यह भी सुनिश्चित कर लें कि बाजार में रासायनिक रंगों की बिक्री न हो। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति बढ़ाते हुए लक्ष्य प्राप्त किया जाए साथ ही प्रोफाइल अपडेशन भी करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी वसूली के लिए भी लक्ष्यानुरूप वसूली प्रक्रिया में निरंतरता बनाए रखें। सीईओ श्री रावत ने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम गेहूं खरीदी के संबंध में शासन के निर्देशानुसार केंद्रों का निर्धारण कर प्रस्ताव भेजे। साथ ही किसान पंजीयन एवं उनका सत्यापन भी शीघ्र सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा श्राफ गुर्जर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत उपस्थित रहे।

कसरावद पुलिस ने अवैध कच्ची शराब बनाने के ठिकानों पर दी दबिश

खरगोन कसरावद पुलिस टीम ने अवैध कच्ची शराब बनाने के ठिकानों पर दबिश देकर भारी मात्रा मे महुआ लहान नष्ट कर बड़ी कार्यवाही की गई है ।मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि, ग्राम भादलपुरा व ग्राम भीलगांव मे कुंदा नदी के किनारे अवैध शराब की भट्टी संचालित की जा रही है व अवैध शराब का संग्रहण भी किया जा रहा है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवाकर रवाना किया गया । जहां पुलिस टीम ने मुखबिर के बताए अनुसार ग्राम भादलपुरा व ग्राम भीलगांव मे मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गई, जिसमे पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए कुल की गई कार्यवाही मे कुल 2500 लीटर महुआ लहान कीमती लगभग 2,00,000/- रुपये व 60 लीटर अवैध कच्ची शराब कीमती लगभग 3000/- रुपये व अवैध शराब बनाने के संसाधन को नियमानुसार विधिवत जप्त कर थाना पर 3 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए है । उक्त प्रकरण मे निरीक्षक राजेंद्र बर्मन के नेतृत्व मे उनि महेश यादव, सउनि मोहन सिंगला, प्रआर. वेरसिंह, प्रआर, भावसिंह, प्रआर. वहाब, प्रआर. मनोज, आर. जितेन्द्र, आर. महेन्द्र, आर. अतुल, मआर. सविता व मआर. रानी व थाने के अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा ।

चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित

मंडला कलेक्ट्रेट के गोलमेज में चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ लम्बित बिन्दुओं को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने प्रभावित परिवारों का ब्याज सहित पूरक अवार्ड पारित करने, गोंझी में निर्मित आवासीय कॉलोनी की मरम्मत एवं आवश्यकतानुसार नए निर्माण, टाटीघाट के 70 परिवारों का भू-अर्जन अवार्ड, दोहरे विस्थापन, वन अधिकार पत्र धारकों के मामले, मानेगांव पूरक अवार्ड पारित करने, ग्राम कुंडा के तीन परिवारों के पूरक अवार्ड, मकान अलॉटमेंट, मकान के एग्रीमेंट तथा अधिग्रहित भूमि पर कब्जा के विषय में विस्तृत जानकारी ली। उक्त विषयों पर चुटका परमाणु परियोजना के अधिकारियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ श्री नित्यानंदन एल, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा, एसडीएम निवास शाहिद खान, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित थे।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत जिला स्तरीय सेमीनार/कार्यशाला आयोजित

देवास उप संचालक उद्यान श्री पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमीनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 10 एवं 11 मार्च 2025 को मंडी प्रांगण देवास में किया जा रहा हैं। जिला स्तरीय सेमीनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटरिया द्वारा किया गया। जिला स्तरीय सेमीनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी में जिले के लगभग 2000 कृषक बंधुओ ने सहभागिता की। कार्यशाला में कृषकों को नवीन तकनीक द्वारा परंपरागत खेती के साथ-साथ उद्यानिकी अपनाकर स्वयं की वित्तीय स्थिति में सुधार के बारे में बताया गया ।कार्यशाला में किसानों को उच्च गुणवत्ता के रोग प्रतिरोधक किस्म के पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिचाई पद्धति/ मल्चिंग का उपयोग करके उत्पादन में दो से तीन गुना तक वृद्धि की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि/उद्यानिकी/पशुपालन/मत्स्य पालन/महिला एवं बाल विकास/कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा योजनाओं के प्रचार/प्रसार एवं उत्पाद की जानकारी देने के लिए स्टाल भी लगाये गये। इस दौरान श्री रायसिंह सेंधव, श्री भेरूलाल अटारिया, श्री हुकुमचंद पटेल, श्री हुकुमसिंह पटेल, श्री आर.पी.शर्मा देवास, श्री गोपेश पाठक, श्री एम.एल.सोलंकी, श्री पंकज कुमार शर्मा, किसान भाई एवं समस्त विकासखण्ड उद्यानिकी अधिकारी उपस्थित थे।

निमाड़ के सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक शिव भाई गुप्ता का

उत्कृष्ट गायकी के लिए बाबा खांडेराव की नगरी में किया गया सम्मान

खरगोन निमाड़ के जाने माने कहे जाने वाले सुप्रसिद्ध कलाकार जिन्होंने बड़े बड़े मंचो पर अपनी संगीत की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोहा है। ऐसे ही निमाड़ के सुप्रसिद्ध लोकगीत निमाड़ी गायक कलाकार शिव भाई गुप्ता एवं मोहन धनगर ठीकरी का सोमवार को खांडेराव महाराज की नगरी ठीकरी में उत्कृष्ट गायकी के लिए सम्मानित किया गया। वही शिव भाई गुप्ता ने अभी होली पर्व के पहले ही बाबा खांडेराव की महिमा के ऊपर एक गीत बनाया है। जो की वह गीत को सुनकर जनता में अच्छा खासा उत्साह देखा जा रहा है ।गीत में बाबा खांडेराव महाराज की जीवनगाथा का भी उल्लेख किया है ।बहुत ही कम समय में बाबा के इतिहास को गीतो के माध्यम से बताया गया। साथ ही शिव भाई गुप्ता को बाबा खांडेराव की महिमा से प्रेरित होकर इस गीत की रचना की गई ।सोमवार को बड़वानी जिले के ठीकरी में बाबा खांडेराव महाराज के मंदिर में शाल श्रीफल और खंडेराव बाबा का छाया चित्र भेंटकर कर सम्मानित किया गया ।इस दौरान ठीकरी नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुमित जायसवाल, सीएमओ प्रेम वासुरे, सुनील गुप्ता मौजूद थे। वही बड़वा एडु यादव द्वारा गीत की सराहना की गई।

आत्मनिर्भर महिलाओं की अनूठी पहल

होली के अवसर पर राज्या ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा हैंपर की बिक्री

महिलाओं की आजीविका में वृद्धि का प्रयास

भोपाल मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा निर्मित उत्पादों से तैयार किए गए होली हैंपर की बिक्री शुरू कर दी गई है। यह प्रयास महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की आजीविका में वृद्धि करना और होममेड उत्पादों को लोगों तक पहुँचाना है। इन होली हैंपरों में दो प्रकार के पैक हैं 550 रुपये का हैंपर और 750 रुपये का हैंपर। प्रत्येक हैंपर में जैविक गुलाल, होममेड गुजिया, महुआ के लड्डू, मूँगफली के लड्डू, गमचा, कढ़ी लड्डू, और अन्य पारंपरिक उत्पाद शामिल हैं।

विशेष हैंपर पीएचक्यू, राग भोपाली, बल्लभ भवन , विकास भवन, रानी कमलापति, भोपाल रेलवे स्टेशन, जिला पंचायत, आजीविका मार्ट, मैरियट होटल, पर्यावास भवन, भोपाल स्थानों पर उपलब्ध हैं।

यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। सभी नागरिकों से निवेदन है कि वे इन हैंपरों का समर्थन करें और महिला स्वयं सहायता समूहों के इस प्रयास में भागीदार बनें।

होली हैंपर खरीदने के लिए आजीविका मार्ट मिशन भोपाल पूनम मरकाम, दूरभाष नंबर -- 9174325223 पर संपर्क करें।

10 साल के बेटे पर बैठ गई 154 किलो की मां, दबकर हो गई मौत

वाशिंगटन। अमेरिका से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां 150 किलो से ज्यादा वजनी महिला के ऊपर बैठने के कारण 10 साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। खबर है कि महिला फॉस्टर यानी बच्चे की पालक मां थी। वहीं, महिला ने भी बच्चे के ऊपर बैठने की बात स्वीकार की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 10 साल के बच्चे की पहचान डकोटा लिवाई स्टीवन्स के तौर पर हुई है। वह इंडियाना का रहने वाला था। वहीं, महिला की पहचान 48 साल की जेनिफर ली विल्सन बताई जा रही है, जिसका वजन करीब 154 किलो है। वह कथित तौर पर बच्चे पर यह सोचकर बैठ गई थीं कि वह परेशानी में होने का नाटक कर रहा है। विल्सन को 6 साल की जेल हुई है। घटना 25 अप्रैल 2023 की है। तब पुलिस को विल्सन के घर पर स्टीवन मिला था। तब वह बेहोश था। जांच में अधिकारियों को उसकी गर्दन और सीने पर चोट के निशान मिले। लड़के ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, विल्सन ने जांच अधिकारियों को बताया है कि लड़का घर से भाग कर पड़ोसी के पास पहुंच गया था। उसका दावा है कि जब लड़के को वापस लाया गया, तब भी वह बुरा बर्ताव कर रहा था और घर छोड़ने की कोशिश कर रहा था। महिला ने स्वीकार किया है कि वह लड़के पर करीब 5 मिनट तक बैठी रहीं। उस दौरान उन्हें लगा कि लड़का नाटक कर रहा है, लेकिन जब उसने जवाब नहीं दिया तो महिला ने सीपीआर की कोशिश की और पुलिस को खबर की। महिला ने कोर्ट को बताया है कि वह सिर्फ लड़के को घर छोड़ने से जाने से रोकना चाहती थीं। ऑटोप्सी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि स्टीवन की मौत मैकेनिकल एस्फिक्सिया से हुई है और मौत के तरीके को हत्या माना गया है। उसे फेफड़ों और लिवर पर गंभीर चोटें आई थीं।

लक्जमबर्ग के प्रिंस फ्रेडरिक का 22 वर्ष की उम्र में दुर्लभ बीमारी से निधन

लक्समबर्ग । लक्ज़मबर्ग के राजकुमार रॉबर्ट के बेटे प्रिंस फ्रेडरिक, का 22 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका निधन एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी के कारण हुआ, जिसे पीओएलजी माइटोकॉन्ड्रियल बीमारी कहते हैं। इस बीमारी में शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा नहीं मिल पाती, जिससे शरीर के अलग-अलग अंग धीरे-धीरे काम करना बंद कर देते हैं और अंत में व्यक्ति की मौत हो जाती है।

14 साल की उम्र में पता चल इसका लक्षण प्रिंस फ्रेडरिक के बारे में बताया गया कि उन्हें 14 साल की उम्र में इस बीमारी के बारे में पता चला, जब उनके लक्षण स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे थे। साथ ही बीमारी का असर तेज़ी से बढ़ने लगा था। यह बीमारी कई अंगों को प्रभावित करती है जैसे मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र, यकृत (जिगर), मांसपेशियां, आंखें, आदि। इस बीमारी का इलाज संभव नहीं है और इसका निदान करना भी बहुत मुश्किल है।

प्रिंस रॉबर्ट ने दी जानकारी प्रिंस रॉबर्ट ने एक बयान में बताया कि उनके बेटे फ्रेडरिक ने अपनी आखिरी घड़ी में अपने पूरे परिवार के सभी सदस्यों से बारी-बारी से विदाई ली। उन्होंने सभी को कुछ अच्छे और बुद्धिमान बातें कही और अंत में अपने परिवार के बीच एक मजेदार मजाक के साथ सबको हसाया। रॉबर्ट ने कहा कि इससे यह दिखता है कि भले ही वह शारीरिक रूप से कमजोर थे, लेकिन उनका हंसी-मज़ाक और सकारात्मक दृष्टिकोण हमेशा बना रहा।

संघर्षपूर्ण रहा फ्रेडरिक का जीवन पिता रॉबर्ट ने आगे कहा कि फ्रेडरिक का जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण था क्योंकि उन्हें बार-बार अस्पताल जाना पड़ता था। उनके परिवार ने फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में विशेषज्ञों से इलाज कराया। हालांकि, उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका। उनका इलाज करने वाले डॉक्टरों और चिकित्सा टीम ने उनकी बहुत कोशिश की, लेकिन बीमारी के आगे वे नहीं टिक सके।

ड्रैगन ने दिया अमेरिका को बड़ा झटका...

चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों पर बढ़ाए टैरिफ

वाशिंगटन । चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ पलटवार करते हुए अमेरिकी कृषि उत्पादों पर अतरिक्त शुल्क लगा दिया है। चीन ने चिकन, पोर्क, सोयाबीन और बीफ जैसे प्रमुख अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 15% अतिरिक्त कर लगा दिया है। इसके बाद अमेरिकी बाजारों में गिरावट आई है क्योंकि निवेशक बढ़ते व्यापार तनावों के कारण घबराए हुए हैं और उन्होंने अपना पैसा कहीं और निवेश करना शुरू कर दिया है।

बता दें कि यह कदम चीन ने 4 मार्च को अमेरिकी आयात पर शुल्क को 20% तक बढ़ाने के ट्रंप के फैसले के जवाब में उठाया है। चीन का वाणिज्य मंत्रालय पहले ही कह चुका था कि जो सामान पहले से चीन में आ चुका है, उस पर यह अतिरिक्त टैरिफ 12 अप्रैल तक लागू नहीं होगा।

राष्ट्रपति पदभार संभालने के साथ ही ट्रंप टैरिफ को लेकर सक्रिय है। उनका मानना है कि आयात शुल्क (टैरिफ) अमेरिकी उद्योगों का बचाव करते हैं और इससे ट्रेजरी के लिए पैसा भी इकट्ठा हो सकता है। साथ ही उनके अनुसार, इससे विदेशी देशों पर दबाव बनता है ताकि वे प्रवासन और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी समस्याओं पर काम करें।

अब ट्रंप ने 2018 में लगाए गए 25% स्टील टैरिफ पर से कुछ अपवाद हटाने की तैयारी की है। साथ ही एल्युमीनियम पर अपने शुल्क को 10त्न से बढ़ाकर 25% करने का भी ऐलान किया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह कनाडा और मैक्सिको से होने वाले आयात पर भी टैरिफ लगाया था, हालांकि इन्हें 30 दिनों के लिए टाल दिया गया।

व्यापार युद्ध से अमेरिकी किसान परेशान देखा जाए तो इस प्रकार के व्यापारिक युद्ध अमेरिकी किसानों के लिए सिर का दर्द बनते रहें है। पहले, चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों को नुकसान पहुंचाया था, लेकिन 2020 में दोनों देशों के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद चीनी वादे के अनुसार अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद में सुधार आया। 2022 में चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों का निर्यात 38 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो एक रिकॉर्ड था, लेकिन 2023 में यह घटकर 29 बिलियन डॉलर हो गया और फिर पिछले साल यह और घटकर 25 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। अमेरिकी कृषि विभाग के मुताबिक, जनवरी 2024 में यह संख्या एक साल पहले के मुकाबले 56% कम हो गई थी।

जलवायु परिवर्तनः तितलियों की विलुप्ति दर मधुमक्खियों की तुलना में 13 गुना अधिक

वाशिंगटन। अमेरिका में तितलियों की संख्या तेजी से घट रही है। बीते दो दशकों में उनकी आबादी में 22 फीसदी की गिरावट आई है। यह खुलासा मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के ताजा अध्ययन में हुआ है। अध्ययन में 1.26 करोड़ तितलियों को शामिल किया गया, जिनमें 554 प्रजातियों का आकलन हुआ।

तितलियों की विलुप्ति दर तितलियों की विलुप्ति दर मधुमक्खियों की तुलना में 13 गुना अधिक पाई गई है। ये जीव न केवल परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि अन्य जीवों और पक्षियों के लिए भी खाद्य स्रोत का काम करते हैं। अध्ययन के अनुसार 20 वर्षों के दौरान तितलियों की 33 फीसदी प्रजातियों यानी 342 में से 114 की संख्या में भारी गिरावट आई, जबकि केवल 9 प्रजातियों की आबादी में वृद्धि देखी गई। 107 प्रजातियों में 50 फीसदी से अधिक की गिरावट पाई गई, जिनमें से 22 प्रजातियों की आबादी 90 फीसदी तक कम हो चुकी है। अमेरिका में सभी तितली परिवारों की संख्या घट रही है। प्रत्येक परिवार की 60 से 75 फीसदी प्रजातियों में गिरावट दर्ज की गई है

और अधिक गंभीर हो सकते हैं हालात शोधकर्ताओं ने बताया कि अमेरिका में कुल 650 प्रजातियों में से केवल 554 (85 फीसदी) को अध्ययन में शामिल किया गया है। जबकि 342 प्रजातियों (53 फीसदी) से संबंधित पर्याप्त डेटा उपलब्ध था। विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि तितलियों की वास्तविक गिरावट अध्ययन से भी अधिक गंभीर हो सकती है, क्योंकि दुर्लभ प्रजातियों के डेटा सीमित हैं और वे विशिष्ट आवासों में पाई जाती हैं।

जलवायु परिवर्तन घटती आबादी का मुख्य कारण शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन को तितलियों की घटती आबादी का मुख्य कारण बताया है। इसके अलावा आवासों की कमी और कीटनाशकों के अधिक उपयोग को भी महत्वपूर्ण कारक माना है।

ट्रम्प ने ब्लिंकन-सुलिवन समेत बाइडेन के चहेते कई बड़े अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी की रद्द

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बाइडेन प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी (सिक्योरिटी क्लीयरेंस) रद्द कर दी है. इस फैसले के तहत इन अधिकारियों को अब किसी भी गोपनीय या संवेदनशील सरकारी जानकारी तक पहुंच नहीं दी जाएगी. जिन वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई है, उनमें पूर्व विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन, पूर्व अमेरिकी डिप्टी अटॉर्नी जनरल लिसा मोनाको, पूर्व अमेरिकी राजदूत नॉर्मन ईसेन, न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स, मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी एल्विन ब्रैग और अमेरिकी वकील एंड्रयू वीसमैन शामिल हैं।

इसके अलावा, उन 51 लोगों की भी सुरक्षा मंजूरी खत्म कर दी गई है, जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान हंटर बाइडेन से जुड़े भ्रम फैलाने वाले पत्र पर हस्ताक्षर किए थे. इस फैसले की पुष्टि अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने की. उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर की गई है।

तुलसी गबार्ड ने दी जानकारी गबार्ड ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति के निर्देशानुसार, मैंने एंटनी ब्लिंकन, जेक सुलिवन, लिसा मोनाको, मार्क जैद, नॉर्मन ईसेन, लेटिटिया जेम्स, एल्विन ब्रैग और एंड्रयू वीसमैन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है. साथ ही, हंटर बाइडेन के गलत सूचना पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले 51 लोगों की भी सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई है और उन्हें अब गोपनीय जानकारी तक पहुंच नहीं मिलेगी. इसके अलावा, पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को अब रोजाना सुरक्षा की जानकारी भी नहीं दी जा रही है.

बाइडेन की भी सुरक्षा मंजूरी कर दी गई थी रद्द इससे पहले, 8 फरवरी को व्हाइट हाउस ने घोषणा की थी कि राष्ट्रपति ट्रंप ने जो बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी भी रद्द कर दी है. अब उन्हें दैनिक खुफिया ब्रीफिंग नहीं दी जाएगी. व्हाइट हाउस ने अपने आधिकारिक ङ्क (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के निर्देशानुसार, जो बाइडेन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी गई है और उनकी दैनिक खुफिया ब्रीफिंग तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है.

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Truth Social पर लिखा था, जो बाइडेन को अब गोपनीय जानकारी की जरूरत नहीं है. इसलिए, उनकी सुरक्षा मंजूरी तुरंत रद्द की जा रही है और उनकी खुफिया ब्रीफिंग रोक दी जा रही है. उन्होंने खुद 2021 में यह परंपरा शुरू की थी, जब उन्होंने मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी तक पहुंचने से रोका था. मैं हमेशा अपने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करूंगा- जो बाइडेन, आप निकाले जा चुके हैं!

पूर्व राष्ट्रपतियों को आमतौर पर नहीं मिलती सुरक्षा मंजूरी एक रिपोर्ट के अनुसार, आमतौर पर पूर्व राष्ट्रपतियों के पास सुरक्षा मंजूरी नहीं होती है. हालांकि, जब वे पद पर होते हैं, तो उन्हें सभी गोपनीय जानकारियों तक पहुंच होती है, लेकिन पद छोड़ने के बाद यह सुविधा समाप्त हो जाती है. ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. पूर्व विशेष वकील रॉबर्ट हुर की रिपोर्ट में बाइडेन की याददाश्त पर सवाल उठाए गए थे, जिसे ट्रंप ने भी अपने फैसले का आधार बनाया है.

बाइडेन ने भी 2021 में ट्रंप की सुरक्षा मंजूरी रद्द की थी गौरतलब है कि फरवरी 2021 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी ट्रंप की सुरक्षा मंजूरी समाप्त कर दी थी और उन्हें खुफिया जानकारी देने से रोक दिया था. बाइडेन ने यह कदम 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुए हमले के बाद उठाया था, जब ट्रंप पर अस्थिर व्यवहार का आरोप लगाया गया था. ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को उनके समर्थकों ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बताया है, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने इसकी आलोचना की है।

जस्टिन ट्रूडो की विदाई पर बेटी ने दी इमोशनल स्पीच, बोली- हमारे पिता अब हमें वापस मिल गए

ओटावा। कनाडा को मार्क कार्नी के तौर पर नया प्रधानमंत्री मिलने जा रहा है. इससे पहले ओटावा में हुए लिबरल पार्टी के कन्वेंशन में निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को विदाई दी गई. इस दौरान ट्रूडो की 16 साल की बेटी एला ग्रेस ने बेहद भावुक भाषण दिया। एला ग्रेस ने कहा कि बीते 12 साल से हमारे पिता हमसे ज्यादा इस देश के थे. लेकिन अब हम उन्हें वापस ले रहे हैं. अब हम उन्हें ऑनलाइन मिलने के बजाए व्यक्तिगत रूप से मिल सकेंगे।डैड आप पर गर्व है मैं यहां आपके प्रधानमंत्री, आपके नेता के बारे में बात करने आई हूं लेकिन मेरे लिए वह सिर्फ पिता हैं. मुझे लगता है कि हम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री होना इस दुनिया की आसान जॉब नहीं है. कई-कई दिनों तक का काम, तनाव और मीडिया अटेंशन. लेकिन प्रधानमंत्री की संतान होना भी आसान नहीं है. मैं सामान्य किशोर की तरह जिंदगी जीने की कोशिश कर रही हूं लेकिन यह आसान नहीं है. बीते कई साल से नियमों और सिक्योरिटी की वजह से मैं सामान्य किशोर की तरह महसूस नहीं कर पा रही हूं। ट्रूडो की बेटी ने कहा कि मैं जिस तरह से जी रही हूं, उन मुश्किल हालातों को लेकर मैंने डैड से बात की है और उन्होंने मुझे हमेशा बेहतर महसूस कराया है. वह सुनते हैं. वह मुझे समझते हैं वह खुद इस तरह का जीवन जी चुके हैं. लेकिन अंतर सिर्फ इतना है कि पहले सोशल मीडिया नहीं था. एला ने कहा कि मैं अब ऑनलाइन उन्हें देखने के बजाए घर पर देखना पसंद करूंगी. डैड मुझे आप पर गर्व है. हमने आपको देश के लिए लड़ते देखा है. आप जिन मूल्यों में विश्वास करते हैं, आप अंत तक उन मूल्यों के लिए लड़ते रहे. एला ने कहा कि हमने आपको लगातार खबरों और विवादों में देखा है. हम सभी को पता है कि प्रधानमंत्री होना इस दुनिया की सबसे आसान जॉब नहीं है. लेकिन प्रधानमंत्री की संतान होना भी आसान नहीं है. जस्टिन ट्रूडो और उनकी पूर्व पत्नी सोफी ग्रेगोरी से उनकी तीन संतानें हैं. जिनमें उनके दो बेटे जैवियर और हैड्रियन और एक बेटी एला है. ट्रूडो और उनकी पत्नी का 2023 में तलाक हो गया था. इस साल पांच फरवरी को एला का 16वां जन्मदिन था

पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे मॉरीशस, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस पहुंच गए हैं. प्रधानमंत्री मोदी का मॉरीशस में भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया गया. एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया. उनके साथ उप प्रधानमंत्री, मॉरीशस के मुख्य न्यायाधीश, नेशनल असेंबली के स्पीकर, विपक्ष के नेता, विदेश मंत्री, कैबिनेट सचिव, ग्रैंड पोर्ट डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के अध्यक्ष और कई अन्य लोग मौजूद थे. प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए कुल 200 गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, जिनमें सांसद, विधायक, राजनयिक दल और धार्मिक नेता शामिल थे।अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार से शुरू हो रहे इस दौरे के दौरान पीएम मोदी 20 से अधिक भारत-निर्मित परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनमें क्षमता निर्माण से लेकर समुदाय-आधारित ढांचागत परियोजनाएं शामिल हैं।इस दौरान पीएम मोदी अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ मिलकर सिविल सर्विसेज कॉलेज भवन का उद्घाटन करेंगे. इस भवन का निर्माण लगभग 4.75 मिलियन डॉलर की लागत से पूरा हुआ है. इस परियोजना के लिए 2017 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। मोदी 20 सामुदायिक परियोजनाओं और एरिया हेल्थ सेंटर का भी ई-उद्घाटन करेंगे, जिन्हें लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है. इन सामुदायिक परियोजनाओं में खेल संबंधित ढांचागत सुविधाएं भी शामिल हैं।

'हम सम्मानित महसूस कर रहे' पीएम मोदी का एयरपोर्ट पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया. मॉरीशस के डिप्टी विदेश मंत्री हम्बीराजन नारसिंघन ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉरीशस यात्रा से सम्मानित महसूस कर रहे हैं. इसे 'विशेष अवसर' बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी 34 मंत्री प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद होंगे. उन्होंने कहा कि धूमधाम से पीएम मोदी का स्वागत किया जाएगा। एक इंटरव्यू में नारसिंघन ने प्रधानमंत्री मोदी की 2015 में मौरिशस यात्रा को याद करते हुए कहा कि भारत उनके देश के लिए कई क्षेत्रों में एक आदर्श है. उन्होंने कहा, 'मोदी मॉरीशस 10 साल से अधिक समय बाद आ रहे हैं. उनकी पिछली यात्रा 2015 में थी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी सोमवार देर रात दो दिवसीय राज्य यात्रा पर मॉरीशस के लिए रवाना हो गए. वह 12 मार्च को राष्ट्रीय दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे. विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत-मौरिशस के स्थायी संबंधों को मजबूत करने के लिए है।

क्या बोले पीएम मोदी प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस यात्रा से पहले सोमवार को कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के रिश्तों में 'एक नया और उवल' अध्याय खोलेगी. वहीं, मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान 12 मार्च को एक लाइन ऑफ क्रेडिट पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. 2016 में, भारत ने मॉरीशस को 353 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज दिया था. जिनमें मेट्रो एक्सप्रेस परियोजना, सुप्रीम कोर्ट भवन, नया ENT अस्पताल, सामाजिक आवास परियोजना और स्कूल बच्चों के लिए डिजिटल टैबलेट शामिल हैं।

मॉरीशस और भारत के गहरे संबंध मॉरीशस अफ्रीका कॉन्टिनेंट का सबसे छोटे देशों में से एक है. यहां की 12 लाख की कुल जनसंख्या में लगभग 70 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं. इस यात्रा से पहले पीएम मोदी एक बार मॉरीशस की यात्रा पर जा चुके हैं. पीएम मोदी राष्ट्रीय दिवस समारोह के मौके पर मार्च 2015 में मॉरीशस गए थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569